RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-315 जयपुर, मंगलवार, 12 मई 2026 मूल्य-4 रूपये

सोमनाथ अमृत महोत्सवः पीएम बोले- श्रद्धा और शक्ति के दृश्य ने हर भारतीय के मन को गर्व से भर दिया

गौरव, शक्ति और शौर्य का अद्भुत संगम सोमनाथ

कोई ताकत भारत को नहीं झुका सकती

जामनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने सोमनाथ मंदिर के शिखर का पहली बार जलाभिषेक किया। इसके लिए 11 तीर्थों के जल को एक बड़े कलश में रखा गया था। इस कलश को 90 मीटर लंबी क्रेन के जरिए मंदिर शिखर के ऊपर स्थापित किया गया था। सूर्यकिरण टीम के विमानों ने जामनगर वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी और लगभग 182 किलोमीटर की हवाई दूरी तय करके 18 मिनट के भीतर सोमनाथ पहुंचे। हॉक स्च्म-132 विमान उड़ाने वाले पायलट फॉर्मेशन और हवाई करतब दिखा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि दुनिया की कोई भी शक्ति भारत को झुकने या दबाव के आगे झुकने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री मोदी भगवान शिव को समर्पित पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लेने के लिए यहां आए थे।

विरासत को पुनर्स्थापित किया

उन्होंने कहा कि 11 मई इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने इसी तारीख (1998 में) परमाणु परीक्षण किए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'विश्व भर में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जहां विदेशी आक्रमणकारियों ने राष्ट्र की पहचान से जुड़े स्थलों को नष्ट कर दिया। जब भी लोगों को अवसर मिला उन्होंने अपनी विरासत को पुनर्स्थापित किया और अपनी गरिमा को बनाए रखा।'

उन्होंने आगे कहा, 'फिर भी, हमारे देश में राष्ट्रीय आत्मसम्मान से जुड़े मुद्दों पर भी राजनीति खेली गई, और सोमनाथ मंदिर इसका एक प्रमुख उदाहरण है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा देने वाली ताकतें अभी भी देश में सक्रिय हैं। हमने राम मंदिर के निर्माण के दौरान भी इसी तरह की घटना देखी और जिस तरह से इसका विरोध किया गया था। हमें इस तरह की मानसिकता के प्रति सतर्क रहना चाहिए और इस तरह की संकीर्ण राजनीति को पीछे छोड़ देना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'हमें विकास और विरासत दोनों को साथ-साथ अपनाकर आगे बढ़ना होगा। वास्तव में, हमारे सांस्कृतिक केंद्रों की उपेक्षा हमारी प्रगति में बाधा बनी हुई है।' इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ अमृत महोत्सव के तहत सोमनाथ मंदिर में महा पूजा और अन्य अनुष्ठान किए।

राष्ट्र जड़ों से जुड़ा रहे तभी मजबूत रह सकता है

सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट से सैकड़ों परिवार जुड़े हैं। गुजरात के बाकी हिस्सों में भी लोग आते हैं। यह मंदिर हमें हमारी जीवन जीने का तरीका सिखाती है। हमारी आस्था नदियों में, वृक्षों में है। हम जंगलों को भी श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। आज जब दुनिया प्राकृतिक जीवनशैली की तरफ लौट रही है तो हमें जागरूक होना होगा।

हम ऐसा जीवन अपनाएं जिससे प्राकृतिक शैली की रक्षा हो। जब नई पीढ़ियां अपने इतिहास और मूल्यों से जुड़ती हैं तब राष्ट्र का आत्मबल और मजबूत होता है। आज देश आगे बढ़ रहा है। उसमें हमारी सांस्कृतिक विरासत की बड़ी भूमिका है। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तभी लंबे समय तक मजबूत रह सकता है जब वह जड़ों से जुड़ा रहे।

मुझे देश के तीर्थस्थलों के विकास का मौका मिला

प्रधानमंत्री ने कहा- आजादी के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निमाण की कोशिश की। उन्हें इसके लिए नेहरू का विरोध झेलना पड़ा। लेकिन ये सरदार साहब की इच्छाशक्ति थी कि वे डिगे नहीं। सोमनाथ फिर से बना और देश ने सदियों के कलंक को धो दिया।

आज मुझे देश के सभी तीर्थों के विकास का मौका मिला है। यह सोमनाथ का ही आशीर्वाद है। विश्वनाथ, ओंकारेश्वर, केदारनाथ धाम का विकास हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हैं। ऐसे कितने ही तीर्थस्थल हैं जिनकी महिमा पुराणों में सुनी हैं। आज हमें उस समृद्ध परंपरा के दर्शन होने लगे हैं।

पीएम लगातार दूसरे दिन बोले- पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करें

सोने की खरीद टालें, कंपनियां वर्क फ्रॉम होम दें

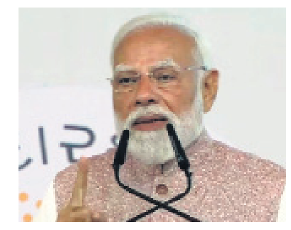

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोमवार को लगातार दूसरे दिन देशवासियों से विदेशी मुद्रा बचाने और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर बोझ घटाने के लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

वडोदरा में सरदार धाम से विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, 'हमें हर छोटे-बड़े प्रयास से ऐसे उत्पादों का उपयोग कम करना है, जो विदेश से आते हैं और ऐसे व्यक्तिगत कामों से भी बचना है, जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती हो।' प्रधानमंत्री ने कहा भारत हर साल लाखों करोड़ रुपये विदेशी वस्तुओं और कच्चे तेल के आयात पर खर्च करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जब-जब देश युद्ध या किसी बड़े संकट से गुजरा है, तब नागरिकों ने सरकार की अपील पर अपने दायित्व निभाए हैं और अब भी वैसी ही सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है।

मोदी ने लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करने और कार पूलिंग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के अधिक उपयोग से विदेशी मुद्रा की बचत में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीक ने कामकाज को आसान बनाया है और सरकारी तथा निजी संस्थानों में वर्चुअल बैठकों तथा 'वर्क फ्रॉम होम' जैसे विकल्पों को प्राथमिकता देने से ईंधन की खपत कम की जा सकती है।

शुभेंदु के पीए हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार, 13 दिनों की सीआईडी हिरासत में

कोलकाता। प. बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में पुलिस ने बिहार और उत्तर प्रदेश से तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों को सोमवार को उत्तर 24 परगना स्थित बारासात एसीजेएम अदालत में पेश किया, जहां इन्हें 13 दिनों की सीआईडी हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीआईडी आरोपितों से पूछताछ कर हत्या की साजिश, फंडिंग, हथियार सप्लाई और संभावित मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी जुटाएगी।

टीसीएस धर्मांतरण : निदा खान 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

नाशिक। महाराष्ट्र के नासिक स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी टीसीएस से जुड़े कथित धर्मांतरण और यौन शोषण मामले में फरार रही आरोपित निदा खान को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। नासिक रोड अदालत में पेश किए जाने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। एसआइटी ने निदा खान के बयान के आधार पर अन्य आरोपितों से आमने-सामने पूछताछ की तैयारी शुरू कर दी। मुख्य आरोपित दानिश शेख और तौसिफ अत्तार को भी हिरासत में लेकर तीनों से एक साथ पूछताछ की जाएगी। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इस मामले के तार अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जुड़े हो सकते हैं, जिसकी पुष्टि जांच के बाद हो सकेगी।

बीएसएफ को बांग्लादेश बॉर्डर फेंसिंग के लिए मिलेगी जमीन

बंगाल की भाजपा सरकार का फैसला- नए आपराधिक कानून लागू होंगे, आयुष्मान पर भी काम शुरू

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रशासनिक सुधार, सीमाई सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन और कानून-व्यवस्था को लेकर कई बड़े फैसलों लिए हैं। नवान्न में आयोजित बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब 'सुशासन, सुरक्षा और डबल इंजन सरकार' के नए दौर की शुरुआत हो चुकी है और पश्चिम बंगाल को भाजपा शासित अन्य राज्यों की विकास नीति के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर के 'जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार' के सिद्धांत पर काम करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डर बाहर,भरोसा अंदर' संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि नई सरकार लोगों की सुरक्षा, विश्वास और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी।

कैबिनेट बैठक में सबसे अहम निर्णयों में सीमाई सुरक्षा को लेकर बीएसएफ को आवश्यक जमीन सौंपने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का फैसला शामिल है। मुख्यमंत्री ने भूमि एवं राजस्व विभाग तथा मुख्य सचिव को अगले 45 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने अवैध घुसपैठियों के हित में केंद्र और अदालतों के निर्देशों की अनदेखी की थी।

सरकार ने राज्य को आधिकारिक रूप से आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का भी निर्णय लिया है। स्वास्थ्य विभाग को केंद्र सरकार के साथ आवश्यक समझौते जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और उज्ज्वला योजना समेत कई केंद्रीय योजनाओं को राज्य में तेजी से लागू करने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की गई। जिला अधिकारियों को सभी लंबित आवेदनों को शीघ्र केंद्र को भेजने का निर्देश दिया गया है।

बाड़मेर देश में सबसे गर्म, पारा 46.8 डिग्री

चार धाम यात्रियों से यात्रा टालने की अपील

नई दिल्ली

राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है। रविवार को चारों राज्यों के 9 शहरों में पारा 44डिग्री के पार रहा। राजस्थान का बाड़मेर 46.8डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर में तापमान 46.3डिग्री और फलोदी में 46डिग्री पहुंच गया। मध्य प्रदेश के रतलाम में 45.5डिग्री तापमान रहा। भोपाल में 40.4डिग्री में 42डिग्री जैसी झुलसाने वाली गर्मी महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार 11 और 12 मई को तापमान 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ेगा। भोपाल में पारा 42 से 43डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं।

इधर, गुजरात के राजकोट में 44.3डिग्री और अमरेली में 44.1डिग्री तापमान के कारण हीटवेव चली। महाराष्ट्र में जलगांव 44.5डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। बिहार में आंधी-बारिश का दौर जारी है। यहां कैमूर जिले में रविवार को सबसे ज्यादा तापमान 38.4डिग्री रहा। उत्तराखंड के कई हिस्सों, खासकर पहाड़ी इलाकों में 12 और 13 मई को बारिश और खराब मौसम की आशंका है। गढ़वाल कमिश्नर ने इस दौरान चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने और यात्रा से बचने की अपील की है।

टीएमसी 31 सीटों के नतीजों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

कहा- यहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम

नई दिल्ली/कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, 'बंगाल में सीटों पर जीत का अंतर SIR में कटे वोटों से कम मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।'

टीएमसी ने दावा किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में 31 सीटों पर जीत का अंतर, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच बंगाल में SIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान TMC सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने बागची की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम है, तो अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने पेंडिंग जमानत याचिकाओं को लेकर सुझाव दिए

हाईकोर्ट में जल्द सुनवाई के लिए ऑटोमैटिक लिस्टिंग सिस्टम बने

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के अलग-अलग हाईकोर्ट में जमानत याचिकाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि जमानत मामलों की जल्दी सुनवाई और फैसला करने के लिए मजबूत व्यवस्था बनानी जरूरी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि इसके लिए पेंडिंग बेल याचिकाओं की ऑटोमैटिक लिस्टिंग का सिस्टम तैयार किया जाए और मामलों के निपटारे की तय समय सीमा भी होनी चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट, राज्य सरकारें और जांच एजेंसियां मिलकर ऐसा सिस्टम तैयार करें, जिससे जमानत मामलों का समय पर फैसला हो सके। उसका मकसद किसी हाईकोर्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना नहीं, बल्कि व्यवस्था को और बेहतर बनाना है।

कोर्ट ने याद दिलाया कि संविधान का अनुच्छेद 21 हर व्यक्ति के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा की गारंटी देता है। इस प्रक्रिया में पीड़ितों के अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से पेंडिंग नियमित और अग्रिम जमानत याचिकाओं की जानकारी मांगी थी। कोर्ट ने पूछा था कि याचिका कब दाखिल हुई, उसकी सुनवाई कब हुई और फैसले की क्या स्थिति है।

कोर्ट ने कहा कि ज्यादातर हाईकोर्ट ने जरूरी आंकड़े दे दिए हैं। कई जगहों पर पेंडिंग मामलों को तेजी से निपटाने की कोशिश भी शुरू कर दी गई हैं।

पंचायत-निकाय चुनाव टालने वाले प्रार्थना पत्र पर फैसला सुरक्षित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव टालने से जुड़े मामले में राज्य सरकार और चुनाव आयोग के प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। खंडपीठ ने आदेश पूर्व विधायक संयम लोढा व गिरिराज सिंह देवदा की याचिका में दायर दोनों प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा अक्टूबर और दिसंबर में कई पंचायत समितियों, जिला परिषदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है। उनके कार्यकाल समाप्ति के बाद चुनाव कराना बेहतर होगा और इससे वन स्टेट-वन इलेक्शन की धारणा को भी बल मिलेगा। कोर्ट के आदेश की पालना के लिए हर संभव प्रयास किया गया, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां ऐसी है 15 अप्रैल तक चुनाव कराना संभव नहीं हो सका। कोर्ट ने सरकार को 15 अप्रैल तक चुनाव कराने का पर्याप्त समय दिया था, लेकिन इस अवधि तक निकायों के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी नहीं की गई।

एक जुलाई से लागू होगा 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम

मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास और रोजगार को नई दिशा देने के उद्देश्य से 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी विकसित भारत (वीबी)-जी राम जी अधिनियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। यह नया कानून एक जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा और इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 निरस्त माना जाएगा।

सरकार के अनुसार नए अधिनियम के तहत हर ग्रामीण परिवार को जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, हर वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के वैधानिक रोजगार की गारंटी दी जाएगी। वर्तमान में मनरेगा के तहत 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के बयान में कहा गया यह अधिनियम विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास को अधिक समेकित, उत्पादक व भविष्य उन्मुख बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

अधिनियम के तहत रोजगार की मांग करने वाले श्रमिकों को तय समय-सीमा के भीतर काम उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में काम नहीं मिलने पर श्रमिक बेरोजगारी भत्ते के पात्र होंगे। सरकार ने मजदूरी भुगतान व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी व समयबद्ध बनाने का दावा किया है। मजदूरी का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे बैंक या डाकघर खातों में किया जाएगा। मस्टर रोल बंद होने के 15 दिनों के भीतर भुगतान नहीं होने पर श्रमिकों को विलंब मुआवजा दिया जाएगा।

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026 -27 के लिए इस योजना के लिए 95,692.31 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया, जिसे ग्रामीण रोजगार कार्यक्रमों के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्रारंभिक आवंटन बताया गया है। राज्यों के अंश सहित कुल व्यय 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मनरेगा से नई व्यवस्था में संक्रमण बिना किसी बाधा के किया जाएगा। 30 जून 2026 तक चल रहे सभी मनरेगा कार्य जारी रहेंगे और बाद में उन्हें नए अधिनियम के तहत समाहित कर लिया जाएगा।

एक्सीडेंट में मौसेरे भाइयों समेत 3 की मौत

4 घंटे तक सड़क पर तड़पते रहे युवक

निंबाहेड़ा (चित्तौड़गढ़)। चित्तौड़गढ़ जिले में सड़क हादसे में मौसेरे भाइयों समेत तीन युवकों की मौत हो गई। रविवार रात करीब 11 बजे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी थी। एक्सीडेंट के बाद तीनों सड़क पर तड़पते रहे। हादसा निंबाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर निंबाहेड़ा से 7 किमी पहले लक्ष्मीपुरा गांव के पास हुआ। करीब चार घंटे बाद राहगीरों ने तीनों को सड़क पर पड़े देखा तो पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। निंबाहेड़ा सदर थाना के एएसआई कैलाश शर्मा ने बताया- रविवार रात करीब 3 बजे हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो तीन युवक हाईवे पर पड़े थे। तीनों के सिर में गंभीर चोट आई थी। उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल निंबाहेड़ा पहुंचाया। वहां डॉक्टर्स ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है। हादसे में मध्यप्रदेश के आगर मालवा निवासी गोविंद सिंह (33) पुत्र शंभू सिंह और झालावाड़ निवासी शेर सिंह (30) व धर्मराज (30) की मौत हुई है। गोविंद और शेर सिंह मौसेरे भाई थे। तीनों करीब 15 दिन से निंबाहेड़ा में किराए के कमरे में रह रहे थे।

चलती बस में लगी आग, 40 यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

सलूंबर

सलूंबर जिले में उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे-48 पर सोमवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया, जब 40 यात्रियों से भरी एक स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। आग लगते ही बस में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों ने जान बचाने के लिए इमरजेंसी खिड़कियों एवं मुख्य द्वार से बाहर निकलकर खुद को सुरक्षित किया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि बस का बड़ा हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार हादसा परसाद थाना क्षेत्र में थाने के सामने करीब 3 बजे हुआ। निजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस उदयपुर से अहमदाबाद की ओर जा रही थी। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। यात्रा के दौरान अचानक बस के भीतर धुआं उठने लगा। प्रारंभ में यात्रियों को कुछ समझ नहीं आया, लेकिन कुछ ही मिनटों में धुआं तेजी से फैलने लगा। स्थिति गंभीर होते देख चालक और परिचालक ने तत्काल बस रोककर यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यात्री घबराहट में इमरजेंसी खिड़कियों से कूदकर बाहर निकले। देखते ही देखते बस में आग की तेज लपटें उठने लगीं। हाईवे पर चल रहे अन्य वाहन भी रुक गए और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

हम दुनिया को दिखाएंगे सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं

-टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनी कीर्तना ने बोली फर्राटेदार हिंदी

चेन्नई (एजेंसी)। विजय ने जिस दिन सीएम पद की शपथ ली, उसी दिन एस कीर्तना ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। वह नवगठित मंत्रिमंडल में शामिल 9 मंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एन आनंद, आधव अर्जुन, के ए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरमनन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टी के प्रभु और के जी अनुराज के साथ शपथ ग्रहण की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण करने के बाद कीर्तना ने कहा कि तमिलनाडु की नई सरकार शासन में एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है क्योंकि किसी अन्य राज्य में इस तरह का कैबिनेट मंत्री नहीं होगा। कोई हमें ऐसा मौका नहीं देगा। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हम सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं। कीर्तना शिवकाशी से नवनिर्वाचित विधायक हैं, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कीर्तना 29 साल की आयु में मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में 11,697 वोटों के अंतर से शिवकाशी सीट जीती। वह विजय के मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला हैं और शिवकाशी से पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र में करीब सात दशकों के पुरुष वर्चस्व को खत्म किया है।

कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने वाली कीर्थना ने हिंदी पर अपनी मजबूत पकड़ के लिए ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने भाषण में फर्राटेदार हिंदी बोली। विशेष रूप से तमिलनाडु में, जहां भाषा एक संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम मुद्दा बनी हुई है। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। विजय ने जनता को उनके जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण व्यक्ति हैं जो झूठे वादों से बचेंगे और केवल उन्हीं कार्यों को पूरा करेंगे जो संभव हैं।

शेख हसीना ने बंगाल के सीएम सुवेंदु को दी बधाई, कहा-मित्रता और संबंध होंगे मजबूत

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम के रूप में शपथ लेने वाले सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भी एक पत्र साझा कर अधिकारी को बधाई दी। पत्र में अवामी लीग पार्टी ने अपने संदेश में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। शेख हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके सक्षम नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास और भी तीव्र होगा और बांग्लादेश और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में आगे कहा गया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और जनता के निरंतर समृद्धि और खुशहाली की भी कामना की। सुवेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के साथ हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत किया। वहीं तृणमूल ने 80 सीटें जीतीं।

सुप्रिया सुले की कार को दूसरे वाहन ने बगल से टक्कर मारी, बाल-बाल बचीं, सभी लोग सुरक्षित

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को एक सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को बगल से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पुणे से मुंबई आते समय गुजरात पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन ने लापरवाही से उनकी कार को टक्कर मारी। उन्होंने वाहन की नंबर प्लेट साझा करते हुए ड्राइवरों से सीट बेल्ट पहनने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की अपील की। उन्होंने कहा, तेज गति और लापरवाही जानलेवा हो सकती है, यह घटना हम सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

राज्यसभा नहीं जाएंगे जय पवार

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार ने राज्यसभा जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी मां वर्ष 2029 में मुख्यमंत्री पद की दावेदार होंगी। मीडिया से बातचीत में जय पवार ने कहा कि वह राज्यसभा नहीं जाएंगे और बारामती में रहकर लोगों के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, बारामती के लोग और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ता चाहते थे कि अजित पवार मुख्यमंत्री बनें, लेकिन उनके आकस्मिक निधन के कारण यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। अब कार्यकर्ताओं और लोगों को उम्मीद है कि सुनेत्रा पवार मुख्यमंत्री बनकर अजित दादा की इच्छा पूरी करेंगी।

झारखंड के शराब घोटाले की जांच रही बेनतीजा, जमानत पर रिहा हुए सभी आरोपी

रांची (एजेंसी)। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को एक साल पूरा होने वाला है, लेकिन जांच अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। 20 मई 2025 को दर्ज हुई इस प्राथमिकी के बाद एसीबी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसी ने पिछले एक साल के दौरान निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत 17 रसूखदार अधिकारियों और शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल तो भेजा, लेकिन समय पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने में विफल रही। एसीबी की इस सुस्ती का सीधा लाभ आरोपितों को मिला और एक-एक कर लगभग सभी आरोपित डिफॉल्ट बेल पाकर जेल से बाहर आ गए। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि एसीबी ने गिरफ्तारी के समय जितनी तत्परता दिखाई थी, उतनी ही उदासीनता चार्जशीट दाखिल करने में बरती गई। एजेंसी के अधिकारियों ने दलील दी कि उनकी तैयारी पूरी नहीं थी, जिसके कारण निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी दस्तावेज अदालत में पेश नहीं किए जा सके। गौरतलब है कि 20 मई 2025 को कार्रवाई शुरू करते हुए एसीबी ने सबसे पहले तत्कालीन आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह और प्लेसमेंट एजेंसी के नीरज कुमार को सलाखों के पीछे भेजा था। उस समय अदालत में दावा किया गया था कि अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। हालांकि, इन दावों के बावजूद जांच एजेंसी कानूनी प्रक्रिया को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई। फिलहाल, विनय कुमार चौबे एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि सिंडिकेट के बाकी सभी सदस्य बाहर आ चुके हैं। यह पूरा घोटाला वर्ष 2022 की नई उत्पाद नीति से जुड़ा है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर नियमों में मनमाना बदलाव किया गया और फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर चहेती प्लेसमेंट एजेंसियों को मैनपावर सप्लाई का ठेका दिया गया। शुरुआती जांच में यह घोटाला 38 करोड़ रुपये का बताया गया था, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, इसके 750 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया। आरोप है कि इस पूरी साजिश से राज्य के खजाने को भारी चपत लगी और निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। अब एक साल बीतने के बाद भी एसीबी की चार्जशीट का इंतजार जारी है।

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एलपीजी सिलेंडर में गैस लीकेज से हुए धमाके में एक महिला और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रायपुर मारवाड़ उपखंड क्षेत्र के कानचा उड़ावता गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार, महिला सुबह चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने गैस चालू की, लीकेज के कारण अचानक आग भड़क उठी और जोरदार धमाका हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला और दोनों बच्चियां बाहर नहीं निकल सकीं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक रसोई पूरी तरह जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सिलेंडर से गैस रिसाव को हादसे की वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिद्धार्थनगर में जहरीला हुआ सरसों तेल, 28 में से 22 नमूने फेल, सेहत से खिलवाड़ का बड़ा खुलासा

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। जिले में रसोई के सबसे अनिवार्य हिस्से, सरसों तेल की शुद्धता को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गई हालिया जांच में सरसों तेल के 28 नमूनों में से 22 नमूने फेल पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जांचे गए नमूनों में से छह में लेबलिंग की खामियां मिलीं, जबकि अन्य नमूनों में सीधे तौर पर मिलावट की पुष्टि हुई है। यह स्थिति जिले के लाखों उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के 25 नमूनों के साथ पिछले वर्ष के तीन लंबित नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक की है। तकनीकी जांच में कई नमूनों की आयोडीन, सपोनिफिकेशन और रेंसी वैल्यू तय मानकों से काफी अधिक मिली है। विशेष रूप से बांसी कस्बे से लिए गए एक नमूने में आयोडीन वैल्यू खतरनाक स्तर पर पाई गई। जानकारों का कहना है कि तेल के मानकों में इस तरह की गिरावट सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है। जिले में सरसों का स्थानीय उत्पादन कम होने के कारण लगभग 95 प्रतिशत आबादी बाजार के ब्रांडेड और खुले तेल पर निर्भर है।

केरल में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए रार

-दिल्ली में शुरु हुआ मंथन, टटोला जा रहा है मन

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 10 साल के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) सत्ता में वापसी तो कर चुका है, लेकिन पार्टी के भीतर जश्न से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन दिग्गजों-वीडी सतीसन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल के बीच छिड़ी यह जंग अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को केरल कांग्रेस के तमाम बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले रहे, जहां आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। माना जा रहा है कि अगले 24 घंटों में केरल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग जाएगी।

सत्ता की यह होड़ उस समय विवादित हो गई जब तिरुवनंतपुरम से लेकर इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने पसंदीदा नेताओं के पक्ष में पोस्टर युद्ध छेड़ दिया। इडुक्की में दिवंगत नेता ओमान चांडी और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की तस्वीर वाले फ्लेक्स बोर्ड को फाड़कर उस पर कालिख पोत दी गई, जिसकी कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन और पीजे कुरियन ने कड़ी निंदा की है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि दबाव की राजनीति से नेतृत्व तय नहीं किया जा सकता। दावेदारों की बात करें तो निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन को एलडीएफ के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है और उन्हें मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। दूसरी ओर, रमेश चेन्निथला की संगठन पर मजबूत पकड़ है और उन्हें सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है। वहीं, केसी वेणुगोपाल राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेहद भरोसेमंद हैं, हालांकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। इनके साथ ही तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर का नाम भी चर्चा में है, जिन्होंने हाल ही में पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात कर राज्य की स्थिति पर फीडबैक दिया है। चयन प्रक्रिया के तहत एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने विधायकों की व्यक्तिगत राय लेकर रिपोर्ट मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है। शनिवार को खड़गे के आवास पर हुई अहम बैठक में गठबंधन के साथियों, विशेषकर मुस्लिम लीग की पसंद पर भी विचार किया गया। वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने स्पष्ट किया कि केवल वरिष्ठता ही नहीं, बल्कि सहयोगियों की राय भी इस फैसले में महत्वपूर्ण होगी। अब सबकी निगाहें राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, ताकि नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले पार्टी की गुटबाजी को शांत किया जा सके।

अब एक और आप विधायक विवादों में, युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सभ्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर 2 साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे 13 हजार रुपए देते थे। जितने भी उलटे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए 5-6 हजार देते थे।

निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे उपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका आफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है। जब 2022 में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट रखा हुआ था। युवक निखिल ने बताया कि, विधायक के दफ्तर का सारा काम वह करता था। सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक वह दफ्तर में ही काम करता था।

निखिल ने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को नौकरियां देने का झांसा देकर 1.70 लाख रुपए लिए जिन्हें विधायक को दिए। ये रकम इतनी ही नहीं बल्कि 80-90 करोड़ों रुपए से ज्यादा तक जाएगी। अभी तो सिर्फ 2 लोग ही सामने आए हैं, जिससे ये मामला सामने आया। डीसी रेट की भर्ती के लिए एक लाख रुपए लेने के लिए कहा जाता था। किसी व्यक्ति से 90 हजार रुपए लेकर 10 हजार निखिल खुद रखता था। उसके रिश्तेदार भी फंस गए। निखिल ने बताया कि उसके पिता की मौत 2022 में हो गई है, उसके परिवार में उसकी मां, दादी, और बहन है। जिन लोगों को नौकरी की बात का झांसा दिया उनमें उसके परिवार के लोग भी शामिल है। युवक ने कहा कि, विधायक के कारण उसका अपना घर बिक गया।

निखिल ने कहा कि हर बार उसे कहा जाता था कि, तेरा काम सही है हमारे साथ रहेगा तो आगे तक जाएगा। चुनावों के दौरान प्रचार दौरान जितने भी पेमेंट गई उसके बिल पड़े हैं। इसके अलावा उसके पास बैंक खातों के स्टेटमेंट भी है। निखिल ने कहा आने वाले समय में सभी सबूत दिखा दूंगा। उसने अपना आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह नकली पीए नहीं है। उसकी सोशल मीडिया पर निखिल सभ्रवाल की आईडी है। कोई भी विधायक ऐसे ही किसी को अपनी कुर्सी पर नहीं बैठाता। किसी व्यक्ति ने मेरी शिकायत करवा दी, कि ये विधायक पाराशर का पीए है। युवक ने बताया कि उसकी 2 नंबर थाने में शिकायत दी गई। थाने का टीएसपी भनोट विधायक पाराशर का खास दोस्त है। शिकायत मिलने पर उसने विधायक को फोन कर दिया कि, आपके खिलाफ शिकायत मिली है। इसके बाद विधायक ने कहा कि इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लो नहीं तो मैं फंस जाऊंगा।

इसके बाद निखिल 2 महीने दुबई चला गया, लेकिन इस दौरान उसके परिवार वालों को तंग किया जाता था। उसके घर में अलग-अलग थाने की पुलिस आती थी। इस बात से परेशान होकर वह वापस आया है। और लोगों को सच्चाई बताई। प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और होम मिनिस्टर, ईडी से जांच करवाई जाए। क्योंकि पंजाब की पुलिस से कोई उम्मीद नहीं है। युवक ने अपनी जान को भी खतरा बताया। उसने कहा कि वह मीडिया के सामने नहीं आना चाहता था। परिवार वालों की जान को खतरा है। जल्द से जल्द पूरे प्रूफ सार्वजनिक करूंगा।

वहीं, दूसरी तरफ विधायक अशोक पाराशर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की ओछी साजिश बताया है। विधायक ने कहा कि आरोपी उसके आफिस में आता था और जब उन्हें उसकी ठगी का पता चला, तो उन्होंने खुद पीड़ितों की मदद की और पुलिस से केस दर्ज करवाया। आरोपी अब बीजेपी नेता गुरदेव देबी के साथ मिलकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी के पास कोई सबूत नहीं है। सिर्फ फर्जी कागज़ दिखा कर आरोप लगा रहा है। उसकी किसी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

हार के बाद भाजपा को हराने साझा मंच बनाने निकलीं ममता

एकजुट होने की कर रहीं अपील

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद राज्य की राजनीति में मचे उथल-पुथल के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद अब ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। शनिवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक साझा मंच पर आने का आह्वान किया।

ममता बनर्जी ने अपनी अपील में न केवल क्षेत्रीय दलों, बल्कि वामपंथी और अति-वामपंथी विचारधारा वाले दलों को भी साथ आने को कहा। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए वह किसी भी दल से संवाद करने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त है, बल्कि यह समझने की जरूरत है कि मुख्य वैचारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा है और उससे मुकाबला करने के लिए एकजुटता अनिवार्य है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों के बाद से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में गुंडागर्दी बढ़ गई है और असामाजिक तत्व सत्ताधारी दल की आड़ में हिंसा फैला रहे हैं। अपने कार्यकाल की याद दिलाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 2011 में जब वह पहली बार सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने इस तरह की प्रतिशोध की राजनीति को अनुमति नहीं दी थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 207 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल कर पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाई है। वहीं, टीएमसी को महज 80 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। इस हार के बाद ममता बनर्जी अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस न्यौते पर अन्य विपक्षी दल क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

-मंत्री घोष बोले- यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोज़गार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है। वहीं यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का विकास बीजेपी की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने वहां की जनता से विकास का जो वादा किया है, हम निश्चित तौर पर उसे निभाएंगे। पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से घुसपैठ होती थी। भारतीयों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था मजबूत हो। वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम होना चाहिए।

पाकिस्तान की निकलेगी दम, भारत तैयार कर रहा एक विशाल 'ड्रोन फोर्स'

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने बदली जंग की रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पहली बार एक विशाल 'ड्रोन फोर्स' तैयार करने का फैसला कर लिया है। यह नई फोर्स भविष्य के किसी भी सैन्य हमले में 'फर्स्ट रेस्पोंडर' यानी सबसे पहले जवाबी कार्रवाई करने वाली ताकत होगी। रक्षा प्रतिष्ठान के मुताबिक इस फोर्स को डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर सिस्टम का तकनीकी सहयोग मिलेगा, जिससे युद्ध के दौरान दुश्मन की गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी और सटीक हमले किए जा सके।

इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के अनुसार फिलहाल करीब 50 हजार सैन्य कर्मियों को ड्रोन संचालन और आधुनिक युद्ध तकनीकों का प्रशिक्षण मिल रहा है। अगले तीन वर्षों में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे, जहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए सैनिकों को रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी। भविष्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। यह फोर्स इंटेलिजेंस, सर्विलांस और प्रिसीजन स्ट्राइक यानी सटीक हमले की दोहरी भूमिका निभाएगी। इस वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के 'आकाशतीर' सिस्टम का सुरक्षा कवच मिलेगा।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा उत्पादन में भी तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल की है। देश का रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। तीनों सेनाओं के लिए थिएटर कमांड की तैयारी हो रही है। दुश्मन के सस्ते ड्रोन हमलों से निपटने के लिए अब 'सॉफ्ट किल' तकनीक जैसे जैमिंग और स्पूफिंग के साथ 'हार्ड किल' तकनीक जैसे लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन फोर्स की अवधारणा तब मजबूत हुई जब पाकिस्तान ने करीब 1,000 ड्रोन के जरिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम की कमजोरियों को परखने की कोशिश की। इसके बाद सेना ने तय किया कि भविष्य के युद्धों में हर सैनिक के पास अपना ड्रोन होना चाहिए। योजना के तहत सेना की प्रत्येक कोर में लगभग 8,000 ड्रोन शामिल किए जाएंगे, जिससे एक लाख ड्रोन की बड़ी ताकत तैयार होगी।

देश में रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ष 120 नए डिफेंस स्टार्टअप शुरू हुए हैं, जिनमें 20 कंपनियां ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर तकनीकों पर काम कर रही हैं। भारत अब मिसाइलों के अहम सेंसर और इंजन जैसे महत्वपूर्ण उपकरण भी खुद बना रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य के युद्ध 'मल्टी-डोमेन' होंगे, जहां अंतरिक्ष से समुद्र तक एक साथ लड़ाई लड़ी जाएगी। इसतरह से भारत अब

इसतरह के ड्रोन विकसित कर रहा है जो बिना जीपीएस के भी काम कर सकें और जिन्हें जैम करना बेहद मुश्किल हो।

डकैती सहित अन्य संगीन जुर्मों में फरार चल रहे ईनामी अपराधियों पर प्रहार, 3 गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

बिजौलिया पुलिस ने डकैती , एन.डी.पी.एस. एक्ट , स्थाई वारण्ट में फरार चल रहें वांछित तीन अपराधियों को गिरफतार किया है । डकैती में 16 साल से फरार व 5000/- रू के ईनामी आरोपी राजू कालबेलिया, एन.डी.पी.एस. में 13 साल से फरार व 5000/- रू के ईनामी आरोपी मुकेश बंजारा और स्थाई वारण्टी राधेश्याम उर्फ राधिया कंजर को पुलिस ने गिरफतार किया है। राजेन्द्र सिंह आई.पी.एस. महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेन्ज, अजमेर के मार्गदर्शन में ओर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन मे संगीन एवं गंभीर अपराधियों के खिलाफ राज्य स्तरीय विशेष अभियान के तहत समस्त थानाधिकारी जिला भीलवाडा को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में एएसपी पारस जैन मुख्यालय भीलवाडा एवं बाबूलाल विश्नोई वृत्ताधिकारी वृत माण्डलगढ जिला भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में टीम का गठन किया । जिसका नेतृत्व स्वागत पाण्डया थानाधिकारी थाना बिजौलिया ने किया । कार्यवाही को अंजाम देने के लिए टीमें गठित कर अपराधियों को दबोचा ।

प्रथम टीम की कार्यवाही:-

बिजौलिया थाने के डकैती के मामलों में 16 साल से फरार चल रहे आरोपी व 5000/- रू के ईनामी राजू पुत्र छोगा कालबेलिया निवासी धिनवा चिडावा हाल

बडोली थाना निम्बाहेडा जिला चित्तोडगढ की तलाश के लिए थाना अधिकारी स्वागत पाण्डया थानाधिकारी के नेतृत्व में ओर सुनील बेनीवाल सउनि मय टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबीर की सूचना पर डकैती के वर्ष 2010 से लम्बित दो मामलों में वाछिंत आरोपी राजू कालबेलिया को तकनीकी व वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करते हुए और करीब 20 किमी. तक पीछा करते हुए ईनामी आरोपी राजू को गिरफ्तार किया । पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर 5000/- रू का ईनाम घोषित किया था । इसी प्रकार द्वितीय टीम ने कार्यवाही को अंजाम दिया ओर एन.डी.पी.एस. के मामले में 13 साल से फरार आरोपी व ईनामी मुकेश उर्फ सन्तोष बंजारा पुत्र शिवलाल बंजारा उम्र 32 साल निवासी रायखेड़ा पुलिस थाना सीतामउ जिला मन्दसोर मध्यप्रदेश की तलाश हेतु टीम का गठन किया गया। आरोपी गांव-गांव जाकर सामान बेचने का काम करता था । एन.डी.पी.एस. एक्ट में वाछिंत आरोपी मुकेश उर्फ सन्तोष बंजारा को तकनीकी व वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करते हुए गिरफतार किया । आरोपी 194 किलो अवैध डोडा पोस्त के मामले में सन् 2023 से फरार चल रहा था। जो पुलिस कार्यवाही के समय डाईवर सीट से निकलकर फरार हो गया था। आरोपी की गिरफतारी पर 5000/- रू ईनाम घोषित हैं। वही तीसरी टीम की कार्यवाही में एक ओर आरोपी फरार ओर ईनामी गिरफ्तार हुआ । न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश भीलवाडा के प्रकरण में स्थाई वारण्टी राधेश्याम उर्फ राधेयां पुत्र धन्ना कंजर निवासी चिताबडा थाना बिजौलिया जिला भीलवाडा करीब 12 साल से जंगल में रहकर फरारी काट रहा था जिसकी गिरफतारी टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबीर की सूचना पर स्थाई वारण्टी राधेश्याम उर्फ राधेयां को गिरफतार किया। फरारी के दौरान आरोपी ने अपना हुलिया भी बदल लिया था।

भीलवाड़ा रोडवेज डिपो में टिकट विंडो पर स्टाफ नहीं

बस के चालक ओर परिचालक भी रहते है नदारद

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

शहर के रोड़वेज डिपो पर अव्यवस्था का आलम है, जिसके चलते यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां जयपुर, अजमेर, उदयपुर, राजसमंद रोड पर चलने वाली गाड़ियों की टिकट विंडो पर स्टाफ नहीं होने से यात्रियों को टिकट नहीं मिल पा रहे हैं।

वहीं चालक और परिचालक गाड़ी खड़ी कर के नदारद हो जाते हैं। ऐसे में अपने गंतव्य के लिए जाने वाले यात्रियों को पुछताछ और टिकट के लिए भटकना पड़ रहा है।

इस बारे में जब रोडवेज डिपो मैनेजर निरंजन शर्मा से बात की गई तो उनका कहना था की पर्याप्त स्टाफ नहीं होने के कारण टिकट विंडो पर कोई बैठने वाला नहीं है।

वहीं टिकट विंडो पर किसी के नहीं होने से सवारियों को कोई संतोषजनक जवाब देने वाला नहीं है की उदयपुर जयपुर राजसमंद अजमेर के लिए गाड़ी कब है ???

7 साल से फरार ईनामी महिला आरोपी चढ़ी पुलिस के हत्थे

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

भीमगंज थाना पुलिस ने वांछित अपराधी की धडपकड करते हुए 7 साल से फरार चल रही 5 हजार रूपये की ईनामी आरोपी यास्मीन को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह के आदेश पर गठित टीम ने इस कार्यवाही को अंजाम दिया । भीमगंज थाना प्रभारी सुनिल चौधरी ने बताया की जिले मे हार्डकोर/ईनामी/टॉप-10/आर्म्स एक्ट/गैंगस्टर या गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार करने के लिए गठित टीम ने मुखबिर से सूचना लेकर वांछितो की तलाश के लिए मोबाईल नम्बरो की कॉल डिटेल व उनके ठिकानों पर दबिशे दी। दबिश के दौरान थाने के

प्रकरण संख्या 285/13 धारा 365 342 120बी भादस मे 7 साल से वांछित ईनामी महिला आरोपी यास्मीन पुत्री बशीर मोहम्मद पठान निवासी शेखो का मोहल्ला आसींद भीलवाड़ा हाल आर के कॉलोनी थाना सुभाषनगर भीलवाड़ा को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की।

लाडपुरा स्वास्थ्य केंद्र: चिकित्सक की गैरमौजूदगी से मरीज बेहाल, इलाज के लिए भटकने को मजबूर

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे के राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) पर इन दिनों चिकित्सा व्यवस्था बेपटरी हो गई है। अस्पताल में चिकित्सक के अक्सर मौजूद नहीं रहने के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि रोगी उम्मीद के साथ इलाज के लिए अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन डॉक्टर के नहीं मिलने पर उन्हें निराश होकर बैरंग लौटना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी चांदमल माली ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थापित डॉ. राहुल चौधरी

नियमित रूप से अस्पताल में नहीं आते हैं। बीमार मरीजों को परामर्श और विभिन्न चिकित्सकीय जांचों के लिए डॉक्टर की सख्त आवश्यकता होती है। लेकिन, चिकित्सक के अपने कक्ष में नहीं मिलने के कारण मरीजों को मजबूरी में बेहतर इलाज के लिए मांडलगढ़ और भीलवाड़ा जैसे शहरों की ओर रुख करना पड़ रहा है। इससे मरीजों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं, जिसके चलते स्थानीय ग्रामीणों में विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

स्टाफ की कमी और बैठकों का हवाला दे रहे चिकित्सक

इस पूरे मामले में जब डॉ. राहुल चौधरी का पक्ष जाना गया, तो उन्होंने ब्लॉक में स्टाफ की कमी को मुख्य कारण बताया। डॉ. चौधरी का कहना है कि स्टाफ की कमी के चलते उनकी ड्यूटी विभाग द्वारा एक दिन के लिए बीगोद लगा दी गई है। इसके अलावा उन्हें कभी सिंगोली भेज दिया जाता है, तो कभी ब्लॉक स्तर की बैठकों में शामिल होना पड़ता है। डॉ. चौधरी ने स्पष्ट किया कि इन विभागीय कार्यों और अन्य जगहों पर ड्यूटी के अलावा, बाकी बचे हुए दिनों में वह लाडपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ही उपस्थित रहते हैं और मरीजों को अपनी सेवाएं देते हैं।

बहरहाल, विभागीय व्यवस्थाओं और स्टाफ की कमी का खामियाजा सीधे तौर पर लाडपुरा के आम मरीजों को भुगतना पड़ रहा है, जिन्हें अपने ही गांव में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं मयस्सर नहीं हो पा रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

देखरेख के अभाव में मुंह चिढ़ा रहा सौंदर्यकरण

(फोटो: राजेश जीनगर)

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

यह नजारा युआईटी से सटे अजमेर रोड का है, जहां लाखों रुपए की किमत से धोलपुरी पत्थरों से किया गया सोन्दर्यकरण देखरेख के अभाव में पिछले कई माह से अपनी बदहाली बयां करते हुए, लापरवाह अधिकारियों का मुंह चिढ़ा रहा है तो यहां से गुजरने वालों के बीच चर्चा का विषय भी बना हुआ है की जिम्मेदारों की नाक के नीचे अगर यह हालात हैं तो ....??????

राज्य स्तरीय विधिक कार्यशाला में जिले के लोक अभियोजकों ने लिया भाग

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में विधि एवं विधिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन हुआ जिसमें भीलवाड़ा जिले के लोक अभियोजकों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई । विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने बताता कि भीलवाड़ा जिले से लोक अभियोजक अनिल शुक्ला, दिनेश जोशी, अदिति सेठिया व अपर लोक अभियोजक अनुराग आचार्य, गोपाल सोनी, दिनेश बापना ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा, राजस्थान सरकार के विधि मंत्री जोगाराम पटेल। महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद तथा पुलिस महानिरीक्षक राजीव कुमार शर्मा ने मार्ग दर्शन प्रदान किया । समापन सत्र में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, विधि मंत्री जोगाराम पटेल एवं मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की गरिमामय उपस्थिति रही । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शीघ्र, त्वरित एवं सुलभ न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है । उन्होंने न्याय व्यवस्था में संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं तकनीकी दक्षता को विकसित राजस्थान की मजबूत नींव बताते हुए न्यायिक प्रक्रियाओं के आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों के अधिकतम उपयोग पर बल दिया । मुख्यमंत्री ने लोक अभियोजकों की समस्याओं के सहानुभूतिपूर्वक एवं शीघ्र निस्तारण का विश्वास भी दिलाया । कार्यशाला में नवीन आपराधिक कानूनों, साइबर क्राइम, दिव्यागजन अधिकारों से संबंधित विधिक प्रावधानों तथा न्यायिक सुधारों पर विशेषज्ञों द्वारा विशेष चर्चा की गई । कार्यक्रम मे राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, अतिरिक्त महाधिवक्ता विधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं राज्य के विभिन्न जिलों से आए लोक अभियोजक उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग के नाम पर हरे पेड़ों की बली

रेलवे परिसर में कटे वर्षों पुराने नीम पीपल के पेड़, पर्यावरण प्रेमियों में आक्रोश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीषण गर्मी की तपिश और आसमान से बरसती आग... जब इंसान एक-एक बूंद पानी और चंद पलों की छांव के लिए तरस रहा हो, ऐसे में अगर रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो सवाल उठना लाज़िमी है। मामला भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन का है, जहां पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों की धज्जियां उड़ती नजर आई।

भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन परिसर में सोमवार को वर्षों पुराने नीम और पीपल के विशाल पेड़ों को बेरहमी से काट दिया गया। आरोप है कि यह सब रेलवे के एईएन शैलेश कुमार के इशारे पर हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने के नाम पर उन पेड़ों की बलि दे दी गई, जो न तो रेलवे ट्रैक में बाधा थे और न ही किसी सड़क के बीच में खड़े थे। हैरानी की बात यह है कि पेड़ काटने के बाद लकड़ियों को गुपचुप तरीके से पिकअप वाहन में भरकर ठिकाने लगा दिया गया। जब इस मामले में

जिम्मेदार अधिकारी से सवाल किया गया तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए फोन ही काट दिया। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या नियम-कायदे सिर्फ आम जनता के लिए हैं? नीम और पीपल जैसे पूजनीय और ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों को बिना अनुमति काटने का अधिकार आखिर किसने दिया? मौके पर मौजूद देवराज गुर्जर ने बताया कि रेलवे स्टेशन परिसर में ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने के लिए रेलवे के एईएन शैलेश कुमार के कहने पर पेड़ काटे जा रहे थे।

रेलवे कॉलोनी के स्थानीय लोगों का आरोप है कि कॉलोनी स्थित एक खाली प्लॉट में लगे इन पेड़ों को बिना किसी स्पष्ट कारण के कटवा दिया गया। ये पेड़ न तो सड़क निर्माण में बाधा बन रहे थे और न ही रेलवे ट्रैक के बीच में थे, इसके बावजूद विभाग ने इन्हें हटवा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कटे हुए पेड़ों की लकड़ियों को बाद में एक पिकअप वाहन में भरकर परिसर से बाहर भेज दिया गया। स्थानीय नागरिकों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, जब इस मामले को लेकर रेलवे के एईएन शैलेश कुमार से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने पेड़ कटवाने के निर्देश देने से इनकार कर दिया और फोन काट दिया।

सूत्रों के मुताबिक परिसर में केवल दो ही नहीं, बल्कि तीन अन्य बड़े पेड़ भी विभाग की ओर से कटवाए गए हैं। इस घटना के बाद पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभाग की गंभीरता पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि नीम और पीपल जैसे पेड़ों को काटने के लिए नियमानुसार अनुमति आवश्यक होती है। ऐसे में बिना स्पष्ट अनुमति इतनी बड़ी कार्रवाई कैसे हुई, यह जांच का विषय है। वहीं पर्यावरणविद् बाबू लाल जाजू का कहना है कि चाहे कोई भी विभाग हो, बिना अनुमति के ऐसे पेड़ नहीं काट सकता। इसके लिए नियमानुसार अनुमति लेना आवश्यक होता है। यदि विभाग ने बिना अनुमति पेड़ कटवाए हैं तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

छापरी चौराहे के समीप कार को बचाने के प्रयास में श्रमिकों से भरी बस पलटी

एक बाइक सवार भी आया चपेट में, 9 जने हुए घायलों

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम बस पलटने से हड़कम्प मच गया। सोपुरा से नानकपूरा जा रही श्रमिकों से भरी एक बस छापरी चौराहे के पास अचानक पलट गई। हादसे के वक्त बस में कंचन फैक्ट्री के श्रमिक सवार थे। बताया जा रहा है कि सामने आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इसी दौरान एक बाइक सवार भी बस की चपेट में आ गया।

हादसे में बस में सवार 8 श्रमिक और एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में चेतन हरीजन, हीरा लाल बलाई, हनुमान बलाई, लादू सिंह राजपुत, भैरूलाल बैरवा, सुखराज सिंह राठौड, चेन सिंह राहुल लौहार और बाइक सवार भैरू गाड़री शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

बस चालक राहुल ने हादसे की जानकारी पुलिस और प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल जिला अस्पताल में सभी घायलों का इलाज जारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

रोपा से खाटू श्याम पदयात्रा का सम्मान समारोह, कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल|रोपा

रोपा से खाटू श्याम जी की चौदहवीं पदयात्रा 17 मार्च 2026 को प्रारंभ होकर 26 मार्च 2026 को सफल एवं सानंद संपन्न हुई। इसी उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रोपा में बाबा श्याम का भोग एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बाबा श्याम की विधिवत पूजा-अर्चना कर भोग लगाया गया। श्याम परिवार रोपा की ओर से पदयात्रा में सेवा देने वाले सभी सेवाभावी भामाशाहों एवं पैदल यात्रियों का सम्मान

किया गया।

रविवार शाम को चारभुजा बड़ा मंदिर प्रांगण में भव्य बाबा श्याम कीर्तन का आयोजन हुआ। देर रात तक श्रद्धालु बाबा श्याम के भजनों पर झूमते नजर आए। कीर्तन में भजन गायक अशोक चौबदार, सत्यनारायण प्रजापत, बालकृष्ण मालू, गणेश बहेडिया, गोविंद मालू, गोपाल प्रजापत एवं राधेश्याम पारीक ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के जयकारों के साथ भक्ति रस का आनंद लिया। वक्ताओं ने कहा कि पदयात्रा केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और भाईचारे का संदेश भी देती है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने बाबा श्याम से सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

भीलवाड़ा पुलिस का अवैध खनन पर प्रहार, तीन दिवसीय अभियान में बड़ी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

जिला पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए गए तीन दिवसीय विशेष अभियान में पुलिस ने खनन माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई की।

दर्ज हुए 26 प्रकरण

अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 26 प्रकरण दर्ज किए। इनमें थाना मांडलगढ़ पर 4, बनेड़ा पर 3, हमीरगढ़, आसींद, मंगरोप, रायपुर, बिगोद, शंभूगढ़ पर 2-2 तथा सदर, बडलियास, हनुमाननगर, जहाजपुर, कोतवाली, फुलियाकला और बागोर पर 1-1 प्रकरण दर्ज किया गया।

भारी मात्रा में बजरी जब्त

पुलिस ने 42 ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक

जेसीबी, एक लोडर व एक डंपर जब्त किया। वाहनों से परिवहन की जा रही करीब 140 टन अवैध बजरी को कब्जे में लिया गया। थाना सदर क्षेत्र में 700 टन बजरी स्टॉक को नष्ट किया गया। थाना जहाजपुर में 160 टन बजरी स्टॉक जब्त किया गया। थाना बागोर व कारोई की संयुक्त टीम ने अमरगढ़ पिथास में 50 टन बजरी स्टॉक जब्त किया।

गिरफ्तारियां

अभियान के दौरान अवैध बजरी खनन व परिवहन में लिप्त कुल 18

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस की रणनीति

पुलिस ने अवैध खनन व परिवहन के संभावित मार्गों को जेसीबी से गड्ढे खुदवाकर अवरुद्ध किया। अभियान की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पारस जैन (मुख्यालय), श्री राजेश आर्य (शाहपुरा), श्री बुद्धराज (सहाड़ा) सहित वृताधिकारी हरजीराम, बाबूलाल विश्नोई, रेवडमल मोर्य,

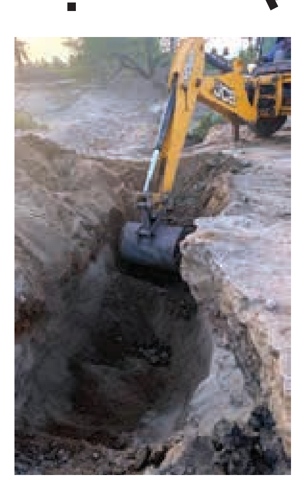

सुदर्शन पालीवाल और ओमप्रकाश विश्नोई ने की। तीन दिवसीय इस अभियान ने जिले में अवैध खनन माफियाओं पर कड़ा प्रहार करते हुए पुलिस की सख्ती का स्पष्ट संदेश दिया।

गणेशपुर के निकट मुख्य राजमार्ग के दोनों और लगी आग, पेड़ पौधे जलें

स्मार्ट हलचल|गंगापुर

नेशनल हाईवे भीलवाड़ा गणेशपुरा के पास हाईवे के दोनों तरफ जंगल में आग लग गई लगातार आग फैलती गई । 2 घंटे के बाद भीलवाड़ा से पहुंकी दमकल ने लाग पर काबू पाया। समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो पास ही स्थित कपास फैक्ट्री में भारी नुकसान की संभावना बन गई थी। आगे की सूचना मिलने पर गंगापुर पुलिस भी मौके पर पहुंची। गंगापुर नगर पालिका में दमकल के लिए फोन किया तो जानकारी में आया की दमकल गाड़ी 7 दिन से भीलवाड़ा सर्विस पर है। जिसके चलते भीलवाड़ा से दमकल मौके पर पहुंची और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर कब पाया गया। आगे के कारण मुख्य राजमार्ग के दोनों और लगी हुई झाड़ियां व पेड़ जलकर राख हो गए।

श्योसिंहपुरा के बसेड़ी में बनेगी 9.5 करोड़ की अत्याधुनिक कृषि मंडी

रात्रि चौपाल में गूंजा विकसित भारत का संकल्प, स्कूली बच्चों और युवाओं को कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने किया प्रेरित

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के श्योसिंहपुरा में आयोजित रथयात्रा एवं रात्रि चौपाल कार्यक्रम में भाग लेते हुए क्षेत्र के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, भाजपा कार्यकर्ता, महिलाएं, युवा, सामाजिक प्रतिनिधि तथा स्कूली बच्चे मौजूद रहे। पूरे आयोजन में ग्रामीण विकास, कृषि सशक्तिकरण और विकसित भारत के संकल्प की झलक देखने को मिली।

रात्रि चौपाल को संबोधित करते हुए कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने श्योसिंहपुरा के निकट बसेड़ी गांव में नई कृषि मंडी के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने बताया कि लगभग 25 एकड़ भूमि पर बनने वाली यह कृषि मंडी करीब 9 करोड़ 50 लाख

रुपये की लागत से विकसित की जाएगी। मंडी निर्माण का कार्य आगामी चार महीनों में शुरू किए जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से किसानों को अपनी उपज के बेहतर विपणन की सुविधा मिलेगी, वहीं क्षेत्र में सड़क, परिवहन और अन्य आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार होगा। इससे आसपास के गांवों के विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने श्योसिंहपुरा ग्राम पंचायत में अतिरिक्त स्कूल कक्षों के निर्माण के लिए विधायक कोटे से 10 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। इस घोषणा से क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने स्कूली बच्चों और युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर प्रयास और अनुशासन का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि जो लोग मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ते हैं, सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमती है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 के बाद भारत की आर्थिक और वैश्विक स्थिति लगातार मजबूत हुई है। आज देश दुनिया में नई पहचान बना रहा है और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास के बिना देश का विकास अधूरा है, इसलिए सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और कृषि विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि देश की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों को आत्मनिर्भर तथा सशक्त बनाना ही विकसित भारत की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने युवाओं, मातृशक्ति और प्रत्येक नागरिक से देश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

तीन दिवसीय तेजाजी सवार लीलण, पेमल मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 12 मई से

स्मार्ट हलचल | तस्वारिया बासा

तस्वारिया बासा में सत्यवादी श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर प्रांगण में लीलन घोड़ी वह पेमल की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का तीन दिवसीय ऐतिहासिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम 12 मई से 14 मई तक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ भव्य रूप से होगा। इस विशाल आयोजन में आसपास के गांव से तेजाजी महाराज के भक्तों का सैलाब उमड़ेगा । कार्यक्रम के दौरान 12 मई को सुबह 7.15 बजे विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी । 13 मई को रात्रि 8 बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा भजन संध्या में भजन सम्राट तुलसाराम भनगावा जोधपुर, लिखमाराम अमरपुरा अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। डांसर भंवर लंगा, कल्पित चौधरी एवं मिस सिमरन अपने नृत्य की प्रस्तुति देगी। 14 मई को लीलण सवार तेजाजी व पेमल मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्णाहुति का कार्यक्रम होगा । जिसमें अलग-अलग जोड़े प्रतिदिन हवन कुंड में आहुतियां देंगे । आयोजन श्री वीर तेजाजी महाराज मेला एवं विकास समिति व समस्त ग्रामवासियो के सहयोग से किया जा रहा है । जिसमें ग्रामीण बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं।

भवन निर्माण का किसान आयोग अध्यक्ष ने किया शिलान्यास

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले के कोटडी उपखंड क्षेत्र के अमरतिया ग्राम स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के नवीन भवन निर्माण का शिलान्यास समारोह रविवार को उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने भाग लिया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में किसान आयोग अध्यक्ष मा. श्री सी.आर. चौधरी उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जहाजपुर विधायक श्री गोपीचंद मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री प्रशांत मेवाड़ा मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्री लादूलाल जाट सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अध्यक्ष श्री चौधरी ने संबोधन में कहा कि विद्यालय भवन का निर्माण क्षेत्र में शिक्षा के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और सभी ने विद्यालय भवन निर्माण को क्षेत्र के विकास एवं शिक्षा सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

मालीखेड़ा में किराणे दुकान पर अवैध शराब की बिक्री करने वाला दुकानदार गिरफ्तार, मोटरसाइकिल जप्त

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

मालीखेड़ा डेलाना में किराणे की दुकान पर अवैध शराब की बिक्री करने की सूचना पर आबकारी विभाग ने दबिश देकर चामुंडा किराना स्टोर दुकान से भारी मात्रा में देसी व अंग्रेजी अवैध शराब जब्त कर दुकान संचालक महेंद्र कलाल को गिरफ्तार किया। शराब बिक्री के लिए उपयोग में ली जाने वाली मोटरसाइकिल को भी जप्त कर कार्रवाई की गई। विभाग द्वारा की गई कार्रवाई से अवैध शराब की बिक्री करने वाले में हड़कंप मच गया।

पेट्रोली ऑफिसर आबकारी विभाग धोलाराम बिश्नोई ने बताया कि डेलाना ग्राम पंचायत के

मालिखेड़ा गांव में चामुंडा किराना स्टोर किरण की दुकान पर अवैध शराब बेचने की सूचना मिली मय जाप्ते के किराने की दुकान पर दबिश दी गई। दुकान में रखे हुए अवैध 397 देसी मदिरा के पव्वे, दो बोतल आरएमएल शराब से भरी हुई, 6 पव्वे अंग्रेजी शराब के, 19 बियर की बोतल, चार बियर के केन मौके से बिना लाइसेंस के किराणे की दुकान पर बिक्री करने के मामले को लेकर जप्त किए गए। वहीं अवैध शराब बेचने वाले महेंद्र पिता सोहनलाल मेवाड़ा कलाल निवासी माली खेड़ा को गिरफ्तार किया गया व अवैध शराब बेचने के लिए उपयोग में ली जा रही मोटरसाइकिल को भी विभाग द्वारा जप्त किया गया। आबकारी विभाग द्वारा धारा 1956, 54 ए के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। आरोपी महेंद्र मेवाड़ा को न्यायालय में पेश किया गया जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आरोपी को जेल भेज दिया।

पूर्व में भी अवैध शराब बेचने के दो मामले हैं दर्ज

महेंद्र मेवाड़ा के विरुद्ध पूर्व में भी अवैध शराब बिना लाइसेंस के बेचने के दो मामले दर्ज हैं। आरोपी द्वारा अवैध तरीके से बिना लाइसेंस के देसी व अंग्रेजी शराब अपनी किराने की दुकान में बेची जा रही थी जिस पर एक और मामला दर्ज किया गया।

अखिल ब्राह्मण महासभा के चुनाव सम्पन्न

स्मार्ट हलचल | कोटा

अखिल ब्राह्मण महासभा की साधारण सभा की बैठक रविवार को संस्था भवन में आयोजित हुई, जिसमें नई कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई। निर्वाचन प्रक्रिया संस्था के संरक्षक एवं निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट एम.एम. शर्मा की देखरेख में सम्पन्न हुई।

संभागीय अध्यक्ष रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि सर्वसम्मति से संजय शर्मा को अध्यक्ष, नरेश पालीवाल को महामंत्री तथा राजीव पाण्डेय को कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया गया। वहीं महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष पद पर डॉ. सुशीला जोशी को मनोनीत किया गया।

बैठक के दौरान निवर्तमान अध्यक्ष लहरी शंकर गौतम एवं महिला प्रकोष्ठ की निवर्तमान अध्यक्ष एडवोकेट कल्पना शर्मा ने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय शर्मा, महामंत्री नरेश पालीवाल और कोषाध्यक्ष राजीव पाण्डेय ने संगठन द्वारा व्यक्त विश्वास के लिए सभी सदस्यों के प्रति आभार जताया तथा संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की बात कही।

चुनाव प्रक्रिया के संचालन में गोपाल शर्मा (पूर्व अध्यक्ष), प्रमोद पालीवाल, वैद्य रघुनंदन शर्मा, गिरीश भार्गव, राजेन्द्र मोहन गौतम, रमेश दाधीच, विजय भारद्वाज, दिनेश दुबे, रमेश शर्मा, अभिलाष दीक्षित, हेमेन्द्र शर्मा, मनोज शर्मा,नरेश गौत्तम, रेखा पालीवाल, मीनू शर्मा, सुमित्रा त्रिपाठी, यामिनी कंटू, ज्योति पाण्डेय, मीना दाधीच, संगीता शर्मा, संतोष शर्मा, कमलेश गौतम, आरती दाधीच, सरिता शर्मा, मीनाक्षी शर्मा एवं चन्द्रकला पाठक सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

भीषण गर्मी में बच्चों के कंठ सूखे, पेयजल की किल्लत

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखण्ड सर्किल के बेरा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे पैयजल कि किल्लत के कारण बच्चों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय परिसर में बनी टंकी क कनेक्शन को चबंल परियोजना के कर्मियों द्वारा बंद कर देने के बाद से बालिकाओं को पानी के लिए इधर उधर भटकने को मजबूर होना पड़ रहा है। साथ ही शौचालय में भी पानी के नहीं होने से छात्राओं के साथ ही महिला स्टाफ को भी काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पुराने पंचायत भवन के पास काफी समय से पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त होने के कारण कारण लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मगर फिर भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

भीषण गर्मी में सीएचसी की व्यवस्थाएं बिगड़ी, मरीजों को उठानी पड़ रही परेशानी

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। कस्बा स्थित आदर्श सीएचसी में इन दिनों अव्यवस्थाओं का आलम बना हुआ है, जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को नारायणपुर सीएचसी की ओपीडी 668 रही, जिसके चलते अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ नजर आई। चिकित्सकों के अनुसार इन दिनों ज्यादातर मरीज पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच अस्पताल में मरीजों के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने से

लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। अस्पताल में जहां मरीज बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, वहां ना तो कूलर की व्यवस्था थी और ना ही छत पर पंखे लगे हुए थे। गर्मी के कारण मरीज एवं उनके परिजन परेशान नजर आए। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण कई मरीज डॉक्टरों के चैंबर के बाहर और अंदर जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। वहीं अस्पताल की सफाई व्यवस्था भी सवालों के घेरे में नजर आई। सीएचसी के मुख्य द्वार पर बायोमेडिकल वेस्ट और कचरे का ढेर लगा हुआ था, जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों में बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। अस्पताल परिसर में फैली गंदगी को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। इधर सीएचसी प्रभारी डॉ. पूरणमल चौधरी ने बताया कि अस्पताल में जल्द ही कूलर और पंखों की व्यवस्था कर दी जाएगी तथा आगामी पांच दिनों में मरीजों के बैठने की समुचित व्यवस्था भी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल के बाहर पड़े कचरे को हटाने की जिम्मेदारी नगरपालिका की है।

देवनारायण जन्मभूमि मालासेरी डूंगरी पहुंचे सांसद सीपी जोशी, ग्राम रथ अभियान के तहत किया रात्रि चौपाल में संवाद

देवभक्तों से की मुलाकात, तीर्थ कॉरिडोर विकास कार्यों का लिया जायजा

स्मार्ट हलचल | मोड़ का निंबाहेड़ा

भारतीय जनता पार्टी के ग्राम रथ अभियान के तहत पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी रविवार शाम विश्व विख्यात देवनारायण जन्मभूमि मालासेरी डूंगरी पहुंचे, जहां उनका ग्रामवासियों एवं देवभक्तों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। सांसद सीपी जोशी ने सबसे पहले मालासेरी निवासी एवं देवनारायण जन्मभूमि के पुजारी हेमराज पोसवाल के निवास

पहुंचकर स्नेहपूर्वक भोजन ग्रहण किया तथा ग्रामीणों और देवभक्तों से मुलाकात कर हालचाल जाना। इसके बाद उन्होंने प्रसाद योजना के अंतर्गत विकसित हो रहे मालासेरी तीर्थ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली।

रात्रि में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में सांसद जोशी ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए क्षेत्र की समस्याओं, सड़क, पानी, बिजली एवं विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा जनभावनाओं के अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं। मालासेरी डूंगरी के पुजारी हेमराज पोसवाल ने बताया कि , सांसद सीपी जोशी की सुबह की दिनचर्या भगवान श्री देवनारायण के अतिथि गृह में शुरू हुई, भगवान श्री देवनारायण जी के दर्शन कर महाआरती में भाग लिया । कार्यक्रम के बाद सांसद जोशी ने मालासेरी डूंगरी मंदिर परिसर स्थित अतिथि गृह में रात्रि विश्राम किया। सोमवार सुबह उन्होंने भगवान श्री देवनारायण जी के दर्शन कर राजभोग का प्रसाद अर्पित किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस दौरान आसीन्द विधायक जबर सिंह साँखला, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा , सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, ग्रामवासी एवं देवभक्त उपस्थित रहे।

खजूरी में नव कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन

स्मार्ट हलचल | पिपलूंद

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में स्थानीय शाखा पर 9 से 11 मई 2026 तक नव कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

जन जागृति हेतु मसाल यात्रा

9 मई की पूर्व संध्या पर जन जागरण के उद्देश्य से एक विशाल मसाल यात्रा निकाली गई। प्रथम दिवस पर 101 कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सायं 7:30 बजे युग ऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित प्रज्ञा पुराण का वाचन हुआ।

यज्ञ एवं दीपयज्ञ

द्वितीय दिवस पर प्रातः 8:30 बजे से नव कुंडीय यज्ञ आरंभ हुआ।

सायं काल प्रज्ञा पुराण कथा एवं दीपयज्ञ का आयोजन किया गया। दीपयज्ञ में 1001 दीपों के समक्ष गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां दी गईं।

तृतीय दिवस पर प्रातः 8:30 बजे से गायत्री महायज्ञ हुआ, जिसमें सैकड़ों आहुतियां प्रदान की गईं। पर्यावरण शुद्धि हेतु महामृत्युंजय मंत्र, सूर्य एवं शिव गायत्री सहित विभिन्न देवताओं की आहुतियां दी गईं। इस अवसर पर पुंसवन, नामकरण, दीक्षा एवं जन्मदिवस संस्कार निशुल्क कराए गए। स्थानीय प्रवक्ता पवन ओझा ने बताया कि तृतीय दिवस की सुबह 6:30 बजे स्व. घीसु लाल जी ओझा की पुण्यतिथि पर पालेश्वर तालाब घाट पर तर्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

विद्वान टोली एवं सहभागिता

इस आयोजन को सफल बनाने हेतु शांतिकुंज की विद्वान टोली – श्री सुरेश कुमार, देवेश साहू एवं रामलाल फोगाट पधारे। कार्यक्रम में केसर जांगिड़, विष्णु त्रिपाठी, सत्यनारायण, प्रेम ओझा, गोपाल ओझा, सुरेश ओझा, हरीराज सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। भीलवाड़ा, शाहपुरा, जहाजपुर, खजूरी, सबलपुरा, गुड्डा, सरसिया, काछोला, कुचलवाड़ा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस महायज्ञ ने क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया।

हरनी महादेव में गूंजा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, श्रद्धा, संस्कृति और जनकल्याण का संगम बना आयोजन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री हरनी महादेव मंदिर में सोमवार को आयोजित 'सोमनाथ विरासत के 75 साल' कार्यक्रम श्रद्धा, संस्कृति और जनजागरूकता का अनूठा संगम बनकर सामने आया। श्री हरनी महादेव मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस विशेष आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमजन ने भाग लिया। मंदिर परिसर पूरे दिन 'हर-हर महादेव' और भक्ति गीतों से गूंजता रहा। धार्मिक उल्लास के साथ-साथ लोगों को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर मंदिर में विशेष श्रृंगार दर्शन, कलश यात्रा, रुद्राभिषेक और सोमनाथ मंदिर से

जुड़ी गौरवगाथाओं का वाचन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का अभिषेक कर देश और समाज की खुशहाली की कामना की। कलश यात्रा में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई गई। आयोजकों ने बताया कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी सोच के तहत धार्मिक और सामाजिक आयोजनों को जनजागरूकता का माध्यम बनाया जा रहा है। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी श्रद्धालुओं को सरल भाषा में दी गई, ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से जब जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है तो आमजन तक संदेश तेजी से पहुंचता है। लोगों ने राज्य सरकार की जनहितकारी सोच और विकासोन्मुख प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराएं समाज को जोड़ने का काम करती हैं। उन्होंने सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारतीय स्वाभिमान का प्रतीक बताया।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी अरुण जैन, जिला रसद अधिकारी अमरेंद्र मिश्रा, पूर्व यूआईटी चेयरमैन लक्ष्मीनारायण डाड, राजेंद्र कचोलिया, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जग जितेंद्र सिंह, ट्रस्ट अध्यक्ष नंदकिशोर दरक, सचिव ओमप्रकाश दरक, ट्रस्टी सुभाष बाहेती सहित कई गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुलिस कर्मियों ने शुरू किया सफाई अभियान, बदला हुआ नजर आया सूरौठ थाना

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

करौली एसपी लोकेश सोनवाल के निर्देश पर सूरौठ थाना प्रभारी कालीचरण शर्मा ने स्थानीय थाना परिसर में सफाई अभियान शुरू करवाया है। स्वच्छता अभियान एवं रंगाई पुताई से थाना परिसर नए लुक में नजर आ रहा है।

थाना प्रभारी कालीचरण शर्मा ने बताया कि एसपी के निर्देश पर सूरौठ थाना परिसर में स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान शुरू किया गया है। स्वच्छता अभियान के दौरान थाना प्रभारी कालीचरण शर्मा की अगुवाई में सभी पुलिसकर्मी थाने के सभी कक्षों, बरामदों एवं

परिसर की सफाई में जुट गए हैं। इसके अलावा थाना भवन की पुताई रंगाई भी की जा रही है। थाना भवन पर नए स्लोगन भी लिखे गए हैं। पुलिस कर्मियों ने थाना परिसर के मैस एवं विभिन्न कमरों में जमा गंदगी की सफाई की तथा रंग रोगन किया। सफाई अभियान शुरू होने के बाद थाना परिसर बदला हुआ नजर आ रहा है।

दो दिवसीय जीतो चित्तौड़गढ़ प्रीमियर लीग जेसीपीएल का भव्य समापन

खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं: विधायक आक्या

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चित्तौड़गढ़। जीतो यूथ विंग चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'जीतो चित्तौड़गढ़ प्रीमियर लीग जेसीपीएल सीजन-1' का भव्य समापन पवेलियन ग्रीन्स, चित्तौड़गढ़ में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में शहर की 12 टीमों ने भाग लिया और दो दिनों तक रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

फाइनल मुकाबले में प्रताप टाइगर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रताप टाइगर्स टीम के ओनर उदित जैन रहे। वहीं आरआर कैपिटल्स टीम उपविजेता रही, जिसके ओनर रजत जैन रहे। विजेता टीम को 25,000 की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 15,000 की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। दक द्वारा सभी मैन ऑफ द मैच पुरस्कार प्रदान किए गए तथा सभी टीम ओनर्स को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया

गया। अपने संबोधन में दक ने कहा कि क्रिकेट जैसे आयोजन युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक समरसता का भाव विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि जीतो यूथ विंग द्वारा इस प्रकार का आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम में तांबे के लोटे से पानी वितरण तथा सभी अतिथियों एवं सहयोगियों को एक-एक पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का बहुत ही सुंदर संदेश दिया गया है।

चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा इस कार्यक्रम से प्राप्त होने वाले फण्ड का उपयोग निर्धन बच्चों की स्कूल फीस जमा कराने एवं गौशाला में सहयोग हेतु किया जाएगा। उन्होंने इसे एक अनुकरणीय पहल बताते हुए अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी को बधाई दी। मंत्री एवं विधायक द्वारा विगत 6 माह में संस्था द्वारा किए गए सामाजिक सरोकार के कार्यों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। जीतो यूथ विंग चित्तौड़गढ़ अध्यक्ष रवि विराणी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं की टीम भावना, समर्पण एवं सामूहिक प्रयास से ही इस आयोजन को भव्य स्वरूप मिला है। उन्होंने आयोजन समिति के सभी सदस्यों, खिलाड़ियों एवं सहयोगियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जेसीपीएल केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज को एक मंच पर जोड़ने का प्रयास है।

जीतो चित्तौड़गढ़ चैप्टर अध्यक्ष सोहन पोखरना ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, सहयोगियों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

जीतो यूथ विंग राजस्थान को-कोन्वीनर चिराग कोठारी की विशेष उपस्थिति रही। संस्थान के सचिव अक्षत पोखरना ने बताया कि टूर्नामेंट में शहर की 12 टीमों ने भाग

लिया तथा पूरे आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति सदस्य लगातार व्यवस्थाओं में जुटे रहे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के उत्साह, समाज के सहयोग और सभी सदस्यों के समर्पण से यह आयोजन यादगार बन पाया।

आयोजन समिति सदस्य आयुष बाघमार ने बताया कि प्रतियोगिता में ऑरेंज कैप प्रांजल गड़ोलिया, पर्पल कैप संजय मेहता, पिंक कैप साक्षी ढीलीवाल तथा मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का पुरस्कार भी प्रांजल गड़ोलिया को प्रदान किया गया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने पूरे टूर्नामेंट को और अधिक रोमांचक बना दिया। कार्यक्रम में नरेंद्र पोखरना, राजेंद्र डोशी, राकेश पटवारी, सुदर्शन रामपुरिया, सुधीर जैन, लोकेश सेठिया, संदीप सेठिया, रोशन लोढ़ा, ज्ञान मेहता, सुनीता शिशोदिया, सुचिता सांखला, फतेह लाल भड़कतिया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सीए प्रतीक कोठारी द्वारा किया गया। आयोजन समिति में सिद्धार्थ महात्मा, हर्ष पोखरना, कनक चापलोत, मिहिर बाघमार, हार्दिक सेठिया, वंशिका जैन, समीक्षा जैन, आदित्य ढीलीवाल, अजय नागोरी, करुण खाब्या, प्रांजल जैन, रितिक चोपड़ा, यश पटवारी, चंद्रेश जैन एवं पीयूष डांगी सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

रक्तदान से बच रही अनगिनत जिंदगियां, केबीबीएस ने जताया रक्तदाताओं के प्रति आभार

स्मार्ट हलचल | कोटा।

सेवाभावी धर्मार्थ संस्था कोटा ब्लड बैंक सोसायटी अपनी स्थापना के 29 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वैच्छिक रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन कोटा ब्लड बैंक सोसायटी, बसंत विहार, में आयोजित किया गया

समारोह में गत वर्ष रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली 125 से अधिक संस्थाओं को ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

सोसायटी के सचिव राजकुमार जैन ने बताया कि संस्था पिछले 25 वर्षों से सप्ताह में दो बार निःशुल्क रक्त चढ़ाने की सेवा निरंतर संचालित कर रही है, जिसमें जांच, दवाइयों एवं सेवा शुल्क के रूप में कोई राशि नहीं ली जाती।

स्वागत भाषण में अध्यक्ष डॉ. अशोक शर्मा ने कहा कि संस्था विगत 29 वर्षों से निःस्वार्थ भाव से रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित कर अनगिनत जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है।

कार्यक्रम में पी.डी. बागला, पूर्णकालिक निदेशक, डीसीएम श्रीराम इंटरनेशनल रेयन्स, कोटा तथा अरविन्द खिंचा, जोइंट प्रेसीडेंट,सीमेन्ट, ब्यावर, ने लोगों से अधिकाधिक रक्तदान कर थैलेसीमिया के विरुद्ध चल रही इस मुहिम में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय शास्त्रों में रक्तदान को महादान की श्रेणी में रखा गया है।

इस अवसर पर नवीनतम ल्युको ब्लड मशीन एवं 'निरामय केबीबीएस फीजियों सेंटर' का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पी.एस. झा एवं नीता डांगी ने किया।

समारोह में सोसायटी उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष मंजू कासलीवाल, एम.एल. पटौदी, डॉ. के. कंजोलिया, गिरीश भार्गव, डॉ. जे.के. सिंघवी, प्रेम बाथला, वरिष्ठ संस्थापक सदस्य वेद प्रकाश गुप्ता, अनिमेष जैन,डा.अविनाश बंसल,संजय सोनी,सुनिल जैन, सहित बड़ी संख्या में रक्तदाता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लीलन सुपरफास्ट 4 दिन आंशिक रद्द रहेगी, जैसलमेर से फुलेरा तक ही चलेगी

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। जैसलमेर-जयपुर-जैसलमेर लीलन सुपरफास्ट एक्सप्रेस मंगलवार यानी 12 मई से लगातार चार दिन फुलेरा और जयपुर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ये ट्रेन इन दिनों फुलेरा स्टेशन तक ही आएगी-जाएगी।सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में कनकपुरा यार्ड में तकनीकी कार्य चल रहा है।

इसी के चलते ट्रेन संख्या 12467/12468

लीलन सुपरफास्ट को 12 मई से 15 मई तक

फुलेरा-जयपुर खंड पर नहीं चलाया जाएगा

इस अवधि में ट्रेन जैसलमेर से चलकर फुलेरा तक ही संचालित होगी। फुलेरा से जयपुर के बीच का सफर यात्रियों को वैकल्पिक साधनों से करना पड़ेगा।

श्री राजस्थानी अरोड़ा खत्री समाज द्वारा शिक्षा का महाकुंभ 14 जून को भीलवाड़ा में

समाज की प्रतिभाओं का होगा सम्मान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री राजस्थानी अरोड़ा खत्री सर्वोच्च समिति, जोधपुर के तत्वावधान में आगामी 14 जून 2026, रविवार को भीलवाड़ा में भव्य 'शिक्षा पुरस्कार एवं प्रतिभा सम्मान समारोह - शिक्षा का महाकुंभ' आयोजित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन की तैयारियों को लेकर आज अरोड़ा समाज, भीलवाड़ा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप देने का निर्णय लिया गया।

अरोड़ा खत्री समाज समिति के जिलाध्यक्ष कैलाश अरोड़ा एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले इस समारोह में पिछले दो वर्षों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह आयोजन 14 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से नगर निगम टाउन हॉल, भीलवाड़ा में आयोजित होगा। समारोह में अरोड़ा समाज के सैकड़ों पदाधिकारी, छात्र-छात्राएं, विभिन्न पंचायतों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी सहित समाजजन उपस्थित रहेंगे।

बैठक में समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने हेतु व्यापक जनसंपर्क, व्यवस्थाओं एवं सहभागिता पर चर्चा करते हुए सभी समाजबंधुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया।

दसा नरसिंहपुरा समाज के युवा सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

श्री मेवाड़ वागड़ भारतवर्षीय दसा नरसिंहपुरा महासभा के आगामी 31 मई को होने वाले युवा सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन कार्यक्रम महासभा अध्यक्ष लक्ष्मीलाल बोहरा की अध्यक्षता में हिरण मगरी सेक्टर 14 स्थित महासभा छात्रावास कार्यालय में सम्पन्न हुआ। युवा परिषद महामंत्री महावीर लुणदिया ने बताया की इस कार्यक्रम में आगामी क्रिकेट टूर्नामेंट , युवक युवती परिचय सम्मेलन और युवा सम्मेलन पर चर्चा की गई। समाज अध्यक्ष सुमति प्रकाश वालावत, रमेश चंद्र केरोत, शीतल कुमार डुंगरिया, कुंदन पचौरी, हितेश भंवरा, रविन्द्र वोरा, युवा परिषद अध्यक्ष अभिषेक भावोत, संयोजक पंकज गांगावत, आशीष सिंघवी, अरुण रत्नावत, अरुण लुणदिया, प्रकाश लुणदिया, हर्षित कोठारी, निखिल सिंघवी, पदम केरोत, किरण पटवा, विकास डुंगरिया, विजेश वोरा आदि ने अपने विचार रखे और युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने हेतु आह्वान किया । युवा परिषद ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और अंत मे सभी को धन्यवाद अभिषेक भावोत ने ज्ञापित किया।

आप से अगर सम्मान या सेवा नही हो सकती तो कभी सन्तो की निंदा मत करना: युवाचार्य महेंद्र ऋषि

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

शंभूपुरा। अपने से अगर सम्मान या सेवा नही हो सकती तो कभी सन्तो की निंदा नही करनी चाइये क्योकि सन्तो की निंदा मतलब जिन शासन की निंदा होती है। ओर जिनशासन की रक्षा करना भी आप सभी का दायित्व है। यह बात शांतिभवन सेन्थी में सोमवार को दूसरे दिन के प्रवचन के दौरान युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा. ने कही।

उन्होंने कहा कि आजकल जितनी सेलेरी आती ईएमआई में चली जाती, जब परिस्थिति खराब आती है तो परेशानियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे ही पुण्य में होता जिसे हम सारा खर्च कर रहे लेकिन इकट्ठा कुछ नही कर रहे पुण्य कमा नही रहे तो भविष्य का क्या होगा।

युवाचार्य ने कहा साधु संत आपको वास्तविकता का भान करवाते है उनकी कही बात सुनकर हमे जीवन मे आने वाले संकटो से सावधान रहना है, जितनी हम फैसन की चीजें आभूषण पहनते सब बोझ है, पुण्य ही है जो जीवन को सफल बनाते है, इसलिए कुछ इकट्ठा ही करना तो इन फालतू की चीजो के बजाय पुण्य कमाओ ताकि भविष्य उज्ज्वल हो सके।

इससे पूर्व मेवाड़ भास्कर प्रवर्तक कोमल मुनि ने अपने प्रवचन में कहा कि वर्धमान परिवेश में जो जिंदगी जी रहे उसे देखकर हमे लगता है हम जीवन में साथ कुछ खास नही कर पाए, जीवन के लिए जो उपाय कर रहे उससे कुछ ज्यादा होने वाला नही है, हम कभी अहंकार में ना रहे और गुरु भगवंत की वाणी को आत्मसात करना है, पूर्ण विश्वास व आस्था के साथ आराध्य का ध्यान करना है, जैसे हमारे चहरे पर जो दाग हो जाए हमे खुद के हाथों से हटाने पड़ते, वैसे ही हम गुरु भगवंत में अनन्य भाव रखेंगे तभी जीवन मे सफल हो सकेंगे। प्रवचन की शुरुआत में हर्षित मुनि जी म. सा. और उनके बाद महिमा श्री जी म. सा. ने जीवन के उद्धार को लेकर प्रवचन से लाभान्वित किया।

कार्यक्रम का संचालन संघ के कोषाध्यक्ष रतनलाल संजेती ने किया। श्री संघ अध्यक्ष अनिल पोखरना ने बाहर से आये सभी अतिथियों का स्वागत किया। संघ मंत्री ओम जैन शंभूपुरा ने सभी धर्मप्रेमियों का धर्मसभा में पधारने पर आभार प्रकट किया।

महेश जसरोटिया को दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान

लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नेतृत्व और उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

देश के प्रतिष्ठित हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल महेश सिंह जसरोटिया को राजधानी दिल्ली स्थित आईटीसी वेलकम होटल द्वारका में आयोजित 'ले अमानाह सीजन-7' समारोह में दो बड़े सम्मानों से नवाजा गया। उन्हें 'ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी लीडर अवॉर्ड' तथा 'आइकॉन ऑफ जम्मू एंड कश्मीर अवॉर्ड' प्रदान किया गया।

यह सम्मान उन्हें हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचार और उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। समारोह के दौरान महेश जसरोटिया ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उन टीमों, मार्गदर्शकों और सहयोगियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया। उन्होंने अपने नेतृत्व और वरिष्ठों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिनके विश्वास, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

पूर्व में उदयपुर में सेवाएं दे चुके महेश जसरोटिया हाल ही में मैरियट

इंटरनेशनल के अंतर्गत भारत के पहले ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल से जुड़े हैं, जिसे भारतीय हॉस्पिटैलिटी उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पहले वे द लीला, ताज, आईटीसी होटल्स, द पार्क और रेडिसन होटल ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ अपनी सेवाएं दे चुके हैं। लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में उनके व्यापक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और प्रोफेशनल उत्कृष्टता ने उन्हें उद्योग में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। उनके सम्मानित होने पर हॉस्पिटैलिटी जगत से जुड़े लोगों में खुशी और गर्व का माहौल है।

विधायक आक्या ने अमरपुरा में कलश व मुर्ति प्रतिष्ठा स्थापना कार्यक्रम में की शिरकत

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अमरपुरा के नवनिर्मित ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में कलश व मुर्ति प्रतिष्ठा स्थापना तथा पंच कुंडात्मक रुद्र महायज्ञ का समापन समारोह विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।

समिति के अध्यक्ष पुर्व सरपंच गोवर्धनलाल धाकड़ ने बताया कि संत शिरोमणि श्री शिवरामदास महाराज खेरी आश्रम एवं पूज्य ललितादास महाराज के पावन सानिध्य व मार्गदर्शन में अमरपुरा व विजयपुर परगना क्षेत्र के श्रद्धालुओ द्वारा अमरपुरा गांव के प्राचीन समाधी स्थल पर नवनिर्मित ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में कलश स्थापना एवं मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का सात दिवस तक भव्य एवं ऐतिहासिक महाअनुष्ठान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में धर्म-आस्था का महासंगम देखने को मिला। श्रद्धालुगण द्वारा

हर-हर महादेव, बम-बम भोले व जय श्रीराम के उदघोष के मध्य विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा मुख्य यज्ञाचार्य पंडित राकेश शास्त्री एवं पंडित रामचन्द्र तिवारी, पंडित बद्रीलाल शर्मा, पंडित राजेंद्र शर्मा, पंडित नीलकंठ शर्मा, पंडित मुकेश शर्मा, पंडित अरविन्द शर्मा, पंडित अनिल शर्मा व पंडित बद्री प्रसाद शर्मा आदि विद्वानों के मंत्रोच्चार के मध्य मंदिर के ऊपर कलश स्थापित किया गया। इसके पश्चात विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सात दिवस तक चल रहे पंच कुंडात्मक रुद्र महायज्ञ में विधायक आक्या व श्रद्धालुगण द्वारा पूर्णाहुति दी गई इसके साथ ही व्यासपीठ से भागवताचार्य बालसंत पवन वैष्णव के मुखारविंद से चल रही भागवत कथा का भी समापन हुआ। इस दौरान अपने संबोधन में विधायक आक्या ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा एवं भक्तगणों की मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना की।

समिति अध्यक्षण धाकड़ के अनुसार अमरपुरा-विजयपुर के परगना क्षेत्रवासियों के तन-मन-धन के सहयोग से 4 मई से आरम्भ होकर सात दिवस तक चले इस महाअनुष्ठान में प्रतिदिन प्रातः रुद्राभिषेक, पंचकुंडीय हवन, दोपहर में भागवत कथा एवं रात्रि में रामलीला का मंचन किया गया। अनुष्ठान के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें संत समाज के साथ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो, पंच-पटेल एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालुओ ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर बस्सी ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष भंवर सिंह खरड़ी बावड़ी, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड पं.स.सदस्य प्रतिनिधी दिनेश धाकड, संदीप धाकड़, यशवतं धाकड़, बबलु धाकड़, हरीओम धाकड़, गणपत धाकड़, गोपाल धाकड़ व डालचंद धाकड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं भक्तगण उपस्थित थे।

प्रदेश में 2 लाख 48 हजार 931 लीटर वॉश नष्ट

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए।

गिरफ्तार 310 – अभियोग 959 दर्ज

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 1 से 10 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 959 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 10 लाख 52 हजार 669 रूपए लागत की 3920 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 9 लाख 28 हजार 100 रूपए की 930 लीटर, बीयर 3 लाख 26 हजार 130 रूपए की 1476 लीटर एवं हथकड़ शराब 6622 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉश 2 लाख 48 हजार 931 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान बडे वाहन 8, हल्के चार पहिया 2 एवं दुपहिया वाहन 27 सहित 37 वाहन जब्त करते हुए 310 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है।

जिलों में अवैध मदिरा पर कार्रवाई

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। श्रीगंगानगर में पड़त मदिरा दुकान क्षेत्र में कार्रवाई के तहत 355 देशी मदिरा के पव्वे और एक मोटरसाईकल जब्त की गई। इसी प्रकार ग्राम अबोहरिया में एक मोटरसाईकल से देशी शराब के 288 पव्वे जब्त कर 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। सुजानगढ़ में एक मोटरसाईकल से 60 पव्वे देशी शराब के बरामद किए। चित्तौड़गढ़ के बेगूं क्षेत्र में आबकारी निरोधक दल की कार्रवाई में 4 अभियोग दर्ज किए। नागौर के मेड़ता सिटी में मोटरसाईकल पर 10 लीटर अवैध हथकड़ शराब परिवहन करने पर अभियोग दर्ज करते हुए 600 लीटर वॉश नष्ट किया। नागौर में एक अन्य कार्रवाई में 4 लीटर हथकड़ शराब बरामद की गई। कोटा में भारतमाला एक्सप्रेस वे पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही है। इसी प्रकार बीकानेर ग्रामीण के तहत भारतमाला रोड़ नोरगदेसर पर भी नाकाबांदी के माध्यम से वाहनों की जांच जारी है।

प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गष्त की जा रही है। प्रदेष में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

बनेठा थाना इलाके में अवैध हथियारों की सूचना से क्षेत्र में फैली सनसनी-पुलिस कार्यवाही पर उठने लगे सवाल

भागचंद सैनी हत्याकांड के बीच रूपवास-ककोड़ क्षेत्र में फिर से हथियार व बारूद मिलने की चर्चा-कई लोगों को डिटेन कर पूछताछ जारी

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। उनियारा सर्किल के बनेठा थाना क्षेत्र में शनिवार, 9 मई को उस समय सनसनी फैल गई, जब रूपवास-ककोड़ के पास पहाड़ी इलाके में आधा दर्जन अवैध हथियार और बारूद मिलने की सूचना सामने आई। हालांकि देर रात तक पुलिस प्रशासन की ओर से मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई, लेकिन पूरे क्षेत्र में घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया। सूत्रों के अनुसार सूचना मिलते ही बनेठा थाना पुलिस सक्रिय हो गई और क्षेत्र में गतिविधियां बढ़ा दी गईं। वहीं रूपवास ग्राम पंचायत के सरपंच (प्रशासक) छोटूलाल मीणा सहित ग्रामीणों ने कथित तौर से आरोप लगाया कि पुलिस ने शनिवार दिन में राजेन्द्र बैरवा को फोन कर थाने पर बुलाया तथा देर रात गांव में दबिश देकर रूपवास से बाबू हरिजन, गडूल, चन्नी हरिजन सहित कुल चार जनों को तथा ककोड़ क्षेत्र से भी कुछ लोगों को पूछताछ के नाम पर हिरासत में लिया। जानकारी यह भी है कि बाबूलाल हरिजन को कांस्टेबल भागचंद सैनी की हत्या के बाद भी पूछताछ के लिए डिटेन किया था और बाद में पूछताछ कर छोड़ दिया गया था। ग्रामीणों का

कथित रूप से आरोप है कि इन लोगों को ककोड़ पुलिस चौकी और बनेठा थाना में घंटों बैठाकर परेशान किया गया और थाने में बंद कर दिया गया। ग्रामीणों में बिना स्पष्ट जानकारी लंबे समय तक थाने में बैठाने की कार्रवाई को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। जानकारी के मुताबिक पुलिस रूपवास और ककोड़ क्षेत्र के कुछ लोगों से लगातार पूछताछ कर रही है। वहीं उनियारा पुलिस उपाधीक्षक आकांक्षा चौधरी भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं और घटनाक्रम की मॉनिटरिंग कर रही हैं। इधर, ककोड़ चौकी पर तैनात सिपाही भागचंद सैनी की 3 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में मिली लाश और चर्चित हत्याकांड का मामला अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि अब अवैध हथियारों की सूचना ने पूरे इलाके का माहौल फिर गर्मा दिया है।

ग्रामीणों और आमजन के बीच पुलिस की कार्यशैली तथा हत्याकांड के खुलासे को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। गौरतलब है कि पुलिस ने भागचंद सैनी हत्याकांड में ट्रक-ट्रेलर चालक जीजा-साला को शिकारी बताते हुए गिरफ्तार कर मामले का खुलासा करने का दावा किया था, लेकिन अब क्षेत्र में यह सवाल भी उठने लगे हैं कि गिरफ्तार आरोपी ही वास्तविक हत्यारे हैं या मामले में अभी और परतें खुलना बाकी हैं। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में संभावित सह-आरोपियों का उल्लेख किए जाने के बाद संशय और चर्चाएं और तेज हो गई हैं। फिलहाल पूरे घटनाक्रम को लेकर ग्रामीणों, आमजन और क्षेत्रीय लोगों में उत्सुकता और संशय का माहौल बना हुआ है। पुलिस की आगामी कार्रवाई और आधिकारिक खुलासे पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

भीषण गर्मी में दवाइयों की गुणवत्ता पर सख्त निगरानी- सीएमएचओ

जिला औषधि भंडार एवं जिला अस्पताल सब स्टोर का किया सीएमएचओ ने औचक निरीक्षण

स्मार्ट हलचल|बूँदी

जिले में बढ़ती भीषण गर्मी और लू-तापघात के खतरे को देखते हुए चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर है। इसी क्रम में सोमवार को सीएमएचओ डॉ. ओ.पी. सामर ने अपने नियमित निरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिला औषधि भंडार सहित जिला अस्पताल के सब स्टोर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बढ़ते तापमान और बिजली कटौती के बीच दवाइयों के सुरक्षित एवं उचित रखरखाव की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता से परखा। साथ ही पूर्व निरीक्षण के दौरान सामने आई खामियों में सुधार हुआ या नहीं, इसकी भी बिंदुवार जांच कर संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीएमएचओ डॉ. सामर ने स्पष्ट रूप से कहा कि दवाइयों की गुणवत्ता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसके लिए कोल्ड चेन मेंटेनेंस हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि तापमान में वृद्धि के चलते दवाइयों के खराब होने की संभावना को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जाए और भंडारण व्यवस्था को मानकों के अनुरूप रखा जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान मौसम में लू एवं तापघात के मामलों में वृद्धि की आशंका को देखते हुए जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता और सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को समय पर उपचार मिल सके।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, स्टॉक रजिस्टर, भंडारण व्यवस्था, साफ-सफाई तथा स्टाफ की उपस्थिति का गहन निरीक्षण किया। साथ ही व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए मौके पर ही आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए।

इस दौरान जिला औषधि भंडार एवं जिला अस्पताल सब स्टोर का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

चित्तौड़गढ़। जिले के निम्बाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र में लक्ष्मीपुरा के समीप बीती रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। इनमे से दो आपस में मौसेरे भाई हैं। जानकारी के अनुसार झालावाड़ निवासी शेर सिंह, धर्मराज तथा आगर मध्यप्रदेश निवासी गोविन्द सिंह पिछले कुछ दिनों से निम्बाहेड़ा में रहकर मकानों पर पुट्टी का काम कर रहे थे। बीती रात करीब 11 बजे वह मोटरसाइकिल पर वापस निम्बाहेड़ा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान लक्ष्मीपुरा के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उन्हे टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रुप से घायल हो गए।

बच्चों की सुरक्षा के लिए गांव आया एकजुट, शिक्षक गिरधारी लाल वर्मा के नेतृत्व में जुटे लाखों रुपये

भामाशाहों के सहयोग से बदली विद्यालय की तस्वीर, सिंचाणा स्कूल की जर्जर छत का शुरू हुआ मरम्मत कार्य

स्मार्ट हलचल

कोटपूतली। कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र के सिंचाणा ग्राम में शिक्षा और बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों ने एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सिंचाणा की जर्जर हो चुकी छत और पूर्व में हुई घटनाओं को देखते हुए विद्यालय स्टाफ ने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक विशेष मुहिम शुरू की।

विद्यालय के शिक्षक गिरधारी लाल वर्मा (आसलपुर) के नेतृत्व में शुरू हुई इस जनसहयोग अभियान को गांव के भामाशाहों और ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिला। अभियान के तहत लगभग 4 लाख रुपये की राशि एकत्रित कर विद्यालय की छत के मरम्मत कार्य की शुरुआत कर दी गई है।

इस सामाजिक पहल में भामाशाह खंगारराम देवड़ा ने 1 लाख रुपये का सहयोग देकर मिसाल पेश की, वहीं देवाराम भायल ने 51 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की। इनके अलावा करीब 85 ग्रामीणों और भामाशाहों ने अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य अनुसार आर्थिक सहयोग कर विद्यालय के बच्चों की सुरक्षा और बेहतर शिक्षा व्यवस्था में भागीदारी निभाई।

ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि गांव के भविष्य की नींव होता है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी ने मिलकर इस कार्य को जनआंदोलन का रूप दिया। गांव में इस पहल की व्यापक सराहना हो रही है और लोग इसे समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बता रहे हैं।

विद्यालय के संस्था प्रधान छगन लाल गर्ग ने सभी भामाशाहों, ग्रामीणों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक सहयोग से विद्यालय का कायाकल्प संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि समाज और विद्यालय का यह तालमेल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा।

गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता और सामाजिक एकता की यह पहल अब क्षेत्रभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी तरह जनसहयोग से विद्यालय में अन्य विकास कार्य भी करवाए जाएंगे।

राजपूत समाज की पहलः महिलाओं को दी मासिक आर्थिक सहायता

राजपूत समाज की पेंशन मुहिम सातवें माह में, अब 40 महिलाएं लाभान्वित

स्मार्ट हलचल|कोटा

राजपूत समाज कोटा द्वारा जरूरतमंद, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने की मुहिम के तहत सोमवार को कंसुआ स्थित मैरिज गार्डन में सहायता राशि वितरित की गई। समाज की ओर से बताया गया कि यह अभियान लगातार सातवें माह जारी है और वर्तमान में 40 महिलाओं को मासिक सहायता दी जा रही है।

कार्यक्रम में अभियान से जुड़े रविन्द्र सिंह हाड़ा ने कहा कि समाज के लोगों के छोटे-छोटे सहयोग से यह पहल शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को नियमित सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि हर माह समाज के सदस्य बैठक कर अभियान के विस्तार और अधिक जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने पर चर्चा करते हैं।

प्रोफेसर गोपाल सिंह नरूका ने कहा कि सीमित संसाधनों से शुरू हुई यह पहल अब व्यवस्थित रूप ले रही है। उन्होंने सामूहिक सहयोग को समाज के लिए सकारात्मक पहल बताया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लोकेंद्र सिंह राजावत ने कहा कि समाज के जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में सभी वर्गों की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में भवानी सिंह सोलंकी ने बालिकाओं की शिक्षा एवं समय पर विवाह की आवश्यकता पर विचार रखे, जबकि बुद्धराज सिंह हाड़ा ने समाज में विधवा विवाह को बढ़ावा देने की बात कही।

इस अवसर पर विवेक सिंह सिसोदिया, टीकम सिंह नरूका, राजेश सिंह परिहार, हेमलता चौहान, गजेंद्र सिंह खींची, मुकेश सिंह राजावत, महावीर सिंह शक्तावत, महावीर सिंह शेखावत, प्रताप सिंह हाड़ा, कुलदीप सिंह नरूका, नरेंद्र सिंह सेंगर, मांगू सिंह राजावत एवं सुरेन्द्र सिंह हाड़ा सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अपना घर आश्रम ने कराया पंद्रह वर्ष से बिछड़ने भाई बहिन का मिलन और दादा को पौत्र -पौत्री से मिलाया

स्मार्ट हलचल|बूंदी

पन्द्रह वर्ष पूर्व हिंडोन से एक मानसिक विमंदित लावारिस महिला जिसकी उस समय आयु लगभग चालीस वर्ष रही होगी ,को अपना घर आश्रम में आश्रय दिया गया था ।उस समय अपना घर आश्रम कोटा का प्रारंभिक दौर ही था और उसका संचालन नारी निकेतन नान्ता के छोटे से हिस्से में होता था ।इस महिला ने अपना नाम आजो बताया लेकिन अन्य कोई जानकारी यह नहीं दे पा रही थी ।तभी से निरन्तर मनोचिकित्सकों के निर्देशानुसार उसकी देखरेख की जा रही थी। निरंतर इलाज के बाद पिछले कुछ समय से वह अपने परिवार के विषय में कुछ जानकारियां देने लगी और काउंसलिंग के दौरान उसने बताया कि वह चित्तौडगढ़ जिले के देवराम चन्देरिया की रहने वाली है ।केवल इस सूचना के आधार

पर वहाँ के स्थानीय थाने में सूचना देने पर पुलिस थाने द्वारा अपना घर आश्रम का सहयोग किया और पता लगाया कि वहाँ से वर्षों पूर्व से एक महिला लापता है ।थाने के माध्यम से अपना घर की पुनर्वास टीम ने उसके परिजनों से संपर्क कर आजो का फोटो दिखाया तो तुरंत ही उसके भाई और बहिन में उसे पहचान लिया ।

आजो का भाई फतह लाल और दो बहिनें बाली बाई और शांति बाई अपना घर आश्रम पहुंचे तो अपनी बहिन से मिलकर बहुत प्रसन्न थे ।उन्होंने बताया कि मानसिक विमंदित होने के कारण 2011 में वह अचानक घर से ग़ायब हो गई थी ।इस बीच उन्होंने उसे ढूँढने के प्रयास भी किए लेकिन असफलता ही मिली ।पुलिस के माध्यम से जब उन्हें आजो के अपना घर आश्रम कोटा में होने की सूचना मिली तो सभी घरवालों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा ।यहाँ अपनी बहिन को स्वस्थ देख कर उन्होंने अपना घर आश्रम के इस कार्य की बहुत सराहना की ।

इसके साथ ही अभी गत माह ही नयापुरा थाना क्षेत्र से लगभग अस्सी वर्षीय कल्याण मीणा को भी लावारिस अवस्था में अपना घर लाया गया था ।ये अपना पता और परिजनों के विषय में कुछ भी नहीं बता पा रहे थे ।केवल इटावा के विषय में ही कुछ बता पाए ।अपना घर की पुनर्वास टीम ने इटावा में संपर्क कर परिजनों तक उनके कोटा में होने की सूचना दी तो उनके पौत्र सोनू मीणा और पुत्री काली मीणा तुरंत कोटा पहुंचे और अपने दादा से स्नेहवश लिपट गए ।दादा और पौत्र पौत्री के मिलन का दृश्य वास्तव में अद्भुत था।

श्री मैथिल ब्राह्मण समाज का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न

10 बटुकों ने धारण किया जनेऊ

स्मार्ट हलचल|कोटा

श्री मैथिल ब्राह्मण समाज संस्था, कोटा की ओर से सोगरिया स्थित श्री परशुराम भवन में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के 10 बटुकों का वैदिक रीति-रिवाज एवं मैथिल परंपरा के अनुसार यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः मंगल गीतों के साथ हुआ। मुख्य आचार्य पंडित रमेश चंद्र शर्मा एवं सहयोगी आचार्य महाराज कुमार शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञोपवीत धारण, ब्रह्मोपदेश एवं गायत्री मंत्र दीक्षा की विधियां संपन्न कराईं। इस दौरान पारंपरिक भिक्षाटन की रस्म भी निभाई गई, जिसमें समाज की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की।

संस्था अध्यक्ष शिव प्रसाद मिश्रा ने कहा कि सामूहिक आयोजनों से सामाजिक परंपराओं का संरक्षण होने के साथ-साथ मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक राहत भी मिलती है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे और बटुकों को आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजन में संस्था के सचिव हरिओम मिश्रा, कोषाध्यक्ष अश्विनी कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र मिश्रा सहित जयप्रकाश शर्मा, योगेश मिश्रा, तृप्ति झा, रवि शर्मा, दीप्ति मिश्रा, रागिनी शर्मा, कामिनी, पूर्व अध्यक्ष एन.के. शर्मा, पूर्व महासचिव गोपाल कृष्ण मिश्रा एवं गोपाल शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। संस्था की ओर से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले आचार्यगण, दानदाताओं, युवा स्वयंसेवकों एवं मातृशक्ति के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

टूटी पाइप लाइनों से सिंचाई व्यवस्था प्रभावित, किसानों ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल|सुनेल

क्षेत्र के किसानों ने रोशनबाड़ी एवं गागरिन लघु सिंचाई परियोजना की बदहाल व्यवस्था को लेकर जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार अजहर बैग को ज्ञापन सौंपते हुए पाइप लाइनों एवं नहरी तंत्र को शीघ्र दुरुस्त कर अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की मांग उठाई। किसानों ने आरोप लगाया कि परियोजना पूर्ण होने के बावजूद आज तक खेतों तक सुचारू रूप से पानी नहीं पहुंच पाया है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में बताया गया कि रोशनबाड़ी लघु सिंचाई परियोजना के अंतर्गत बांध का निर्माण वर्ष 2023 में पूर्ण हो चुका है तथा बांध में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। इसके बावजूद टूटी पाइप लाइनों और क्षतिग्रस्त नहरी तंत्र के कारण किसानों को समय पर सिंचाई हेतु पानी नहीं मिल पा रहा। किसानों का कहना है कि

संवेदक और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत के चलते तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया गया।

किसानों ने बताया कि उन्होंने कई बार लिखित रूप से अधिकारियों और संवेदक को समस्या से अवगत कराया, लेकिन मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया। इस वर्ष भी किसान रबी फसल के लिए बांध के पानी का इंतजार करते रहे, मगर खेतों तक पानी नहीं पहुंच सका।

रिछड़ नदी पर बने रोशनबाड़ी बांध से दो मुख्य नहरें निकाली गई हैं, जिन पर 18 डिग्गियों का निर्माण किया गया है। इनसे किसानों के खेतों तक भूमिगत पाइपलाइन बिछाई गई है। लगभग प्रत्येक 7 हेक्टेयर भूमि पर 20 से 22 पाइंट बनाए गए हैं ताकि किसान आसानी से सिंचाई कर सकें। क्षेत्र में 90 एमएम से 180 एमएम तक की पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन कई स्थानों पर पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त होने से पूरी व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते सिंचाई तंत्र को दुरुस्त नहीं किया गया तो खेतों तक पानी पहुंचना मुश्किल हो जाएगा, जिससे फसल उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा और किसानों की आर्थिक स्थिति और कमजोर होगी। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर सिंचाई व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की महत्वाकांक्षी सिंचाई योजनाओं का लाभ तभी मिलेगा जब निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो और समय-समय पर रखरखाव किया जाए। किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराना कृषि प्रधान क्षेत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इस दौरान किसान पीरुलाल धाकड़, मनोहर धाकड़, सत्यनारायण गुप्ता ,रामसिंह नागर,दयाराम पटेल ,रामसिंह पटेल,जितेंद्रसिंह मंडलोई, तुलेश मोड, नरेंद्रसिंह हाडा, गजराज सिंह, दीपचंद नागर,शोभाराम गुर्जर, लालचंद गुर्जर, शोभाराम मेघवाल सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

एसटीबीए नियुक्ति के नाम पर ठगी से सावधान – रेलवे की कोई भर्ती एजेंट या दलाल के माध्यम से नहीं होती

आवेदन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, जानकारी निःशुल्क सीधे रेलवे कार्यालय एवं वेबसाइट पर उपलब्ध

स्मार्ट हलचल|कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल द्वारा हाल ही में 6 स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) की नियुक्ति हेतु अधिसूचना संख्या 03/2026 जारी की गई है। रेलवे प्रशासन के संज्ञान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्व एवं दलाल इस अधिसूचना का दुरुपयोग कर आवेदकों को गुमराह कर रहे हैं तथा एसटीबीए अनुबंध या रेलवे में नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर रुपये ऐंठ रहे हैं। ऐसी शिकायतें रेलवे प्रशासन को प्राप्त हुई हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि यह नियुक्ति प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं नियमानुसार संचालित की जा रही है। एसटीबीए कोई रेलवे की स्थायी नौकरी नहीं है – यह एक एजेंसी

अनुबंध है जो निर्धारित पात्रता रखने वाले व्यक्ति सीधे आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में किसी बिचौलिये, दलाल या एजेंट की कोई भूमिका नहीं है और न ही उनकी कोई आवश्यकता है।

श्री जैन ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति यह कहकर रुपये मांगे कि वह रेलवे में नौकरी या एसटीबीए अनुबंध दिलवा सकता है, तो यह पूर्णतः फर्जी और धोखाधड़ी है। रेलवे प्रशासन ऐसे किसी भी व्यक्ति को अधिकृत नहीं करता। आवेदन से संबंधित समस्त जानकारी – जैसे पात्रता, आवेदन प्रारूप, शर्तें एवं प्रक्रिया – पश्चिम मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.wcr.indianrailways.gov.in के Tenders Active Tenders अनुभाग में निःशुल्क उपलब्ध है। इच्छुक एवं पात्र आवेदक किसी भी जानकारी के लिए सीधे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय,कोटा के वाणिज्य शाखा में संपर्क कर सकते हैं। आवेदन पत्र 18 मई 2026 (सोमवार) को दोपहर 13:00 बजे तक केवल कार्यालय के ड्रॉप बॉक्स में जमा करने हैं – डाक से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

रेलवे प्रशासन सभी आवेदकों एवं आम नागरिकों से अपील करता है – किसी भी दलाल, एजेंट या अपरिचित व्यक्ति को रुपये न दें। रेलवे की किसी भी प्रक्रिया के लिए बिचौलिये की आवश्यकता नहीं होती। यदि कोई व्यक्ति एसटीबीए नियुक्ति के नाम पर ठगी का प्रयास करे तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

एडीजी रूपिन्द्र सिंह ने लिया जिले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा, लंबित केस निपटाने के सख्त निर्देश

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (आर्ड बटालियन एवं एसडीआरएफ) तथा रेंज प्रभारी रूपिन्द्र सिंह ने जिले का आकस्मिक दौरा कर कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय और रिजर्व पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और अपराध गोष्ठी (क्राइम मीटिंग) में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों के साथ अपराधों पर मंथन

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित बैठक में रेंज प्रभारी ने जिले के लंबित प्रकरणों की स्थिति जानी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गंभीर अपराधों और लंबे समय से पेंडिंग मामलों का निस्तारण त्वरित गति से किया जाए। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र सिंह सहित जिले के सभी वृताधिकारी और थानाधिकारी मौजूद रहे।

फील्ड में निरीक्षण और बुनियादी ढांचा

एडीजी ने निर्माणाधीन नवीन रिजर्व पुलिस लाइन ब्यावर का भ्रमण कर निर्माण कार्य की प्रगति देखी और परेड ग्राउंड का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने पुलिस थाना साकेतनगर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने थाने के मालखाने में रखे माल के निस्तारण और थाना परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

मौजूद रहे ये अधिकारी

निरीक्षण के दौरान वृताधिकारी मसूदा जय सिंह, जैतारण वृताधिकारी सत्येन्द्र नेगी, रायपुर वृताधिकारी बंशीलाल पाण्डर, आरपीएस अनिल, ब्यावर सिटी थानाधिकारी आशुतोष पाण्डे, सदर थानाधिकारी गजराज, साइबर थानाधिकारी भवानी सिंह और महिला थानाधिकारी विद्या मीणा सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थत थे।

साइबर अपराध और जनसुनवाई पर जोर

रेंज प्रभारी ने जिले की अब तक की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा कि पुलिस को तकनीक के साथ अपडेट रहकर आमजन को जागरूक करना होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि: थाने पर आने वाले हर परिवादी की समस्या को तसल्ली से सुना जाए। साइबर शिकायतों की जांच में तेजी लाई जाए। क्षेत्र में प्रभावी गश्त की जाए ताकि अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास बना रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए आगे आई बालिकाएं

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर एवं जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेड़ता रोड में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीनेशन अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत अब तक लगभग 40 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल को लेकर अभिभावकों एवं छात्राओं में जागरूकता और उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार शर्मा,

डॉ पवन कुमार चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, नर्सिंग स्टाफ, सरकारी विद्यालय के अध्यापक तथा सरिता सेन एएनएम

एव समस्त आशा कार्यकर्ता

उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण करवाने की अपील की।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार शर्मा ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली गंभीर बीमारियों में से एक है, जो ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होता है। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम माना जाता है। यदि किशोरावस्था में यह वैक्सीन लगवा ली जाए तो भविष्य में सर्वाइकल कैंसर होने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में मेड़ता रोड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में यह विशेष वैक्सीनेशन अभियान आयोजित किया गया।

ब्यावर पुलिस की बड़ी कामयाबी: 'ऑपरेशन मोबाइल रिकवरी' के तहत लौटाए 30 लाख के फोन, चेहरों पर लौटी मुस्कान

चोरों पर भारी पड़ी साइबर सेल: ब्यावर पुलिस ने बिहार और गुजरात तक से रिकवर किए 156 मोबाइल फोन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस ने तकनीक और मुस्तैदी का परिचय देते हुए गुमशुदा मोबाइल फोन बरामदगी के अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक रतन सिंह (ढुक्क) के निर्देशन में साइबर सेल ने इस वर्ष अब तक कुल 156 मोबाइल फोन ट्रेस कर उनके असली मालिकों को सुपुर्द किए हैं, जिनकी बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपये आंकी गई है।

तीन चरणों में हुई बरामदगी

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आज 53 मोबाइल फोन परिवादियों को सौंपे गए। इस वर्ष की उपलब्धियों का क्रम इस प्रकार रहा: 12 जनवरी: 51 मोबाइल फोन बरामद। 27 मार्च: 52 मोबाइल फोन बरामद। 11 मई (आज): 53 मोबाइल फोन (कीमत 12.50 लाख) बरामद।

दूसरे राज्यों तक पहुँचा ब्यावर पुलिस का शिकंजा

साइबर सेल ने केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि बिहार, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से भी मोबाइल ढूंढ निकाले। इस कार्य में भारत सरकार के ष्टश्वढ्ढ' पोर्टल और तकनीकी आसूचना का विशेष योगदान रहा। फोन वापस पाकर कई परिवादी भावुक हो उठे और पुलिस की कार्यशैली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

इस सफल अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा एवं उप अधीक्षक राजेश कसाना ने किया। फील्ड में साइबर सेल प्रभारी सउनि सरफराज, म. हैड कानि. मीना, कानि. नैना सिंह, सुशिल टोगस, रामवतार, गोविन्दराम और हेमराज की विशेष टीम ने दिन-रात एक कर इन फोनों को ट्रेस किया। पुलिस की अपील: न हों परेशान, ऐसे दर्ज करें रिपोर्ट। एसपी श्री रतन सिंह ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर घबराएं नहीं। तुरंत निम्नलिखित कदम उठाएं: राजस्थान पुलिस की वेबसाइट पर 'Lost Report' दर्ज करें। इसके बाद प्राप्त रसीद के जरिए CEIR पोर्टल पर जाकर अपना मोबाइल ब्लॉक करवाएं ताकि उसका दुरुपयोग न हो सके।

ब्यावर के 315 किसानों के खेतों में उतरी 'सौर ऊर्जा'

रात की सिंचाई से मिली राहत

कठिन भूगोल और पथरीली जमीन भी नहीं रोक पाई ब्यावर की प्रगति की रफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर राजस्थान का नवगठित जिला ब्यावर प्रधानमंत्री कुसुम सोलर पंप योजना के क्रियान्वयन में प्रदेश भर में मिसाल बनकर उभरा है। जिले की कठिन भौगोलिक बनावट और पथरीली भूमि जैसी तकनीकी बाधाओं के बावजूद, उद्यान विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए किसानों तक योजना का लाभ पहुँचाया है।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ब्यावर ने प्रदेश स्तर पर 9वीं रैंक (कार्यक्षमता में 6ठा स्थान) हासिल कर अपनी प्रशासनिक मजबूती का लोहा मनवाया है।

लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम

सरकार ने जिले के लिए 500 सोलर पंप सेट का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसके जवाब में उद्यान विभाग ने अब तक 315 किसानों को लाभान्वित कर दिया है। विभागीय जानकारी के अनुसार: वर्ष 2025-26 में 262 नए किसानों को पंप आवंटित किए गए। पूर्व वर्ष (2024-25) के 53 लंबित मामलों को भी इस वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

रात की सिंचाई के डर से मिली मुक्ति

जिले के जवाजा, रायपुर और मसूदा जैसे पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों के लिए बिजली पर निर्भरता हमेशा से एक बड़ी समस्या रही है। सोलर पंप लगने से अब किसानों को दिन के समय ही पर्याप्त बिजली मिल जाती है। इससे न केवल उनकी खेती की लागत कम हुई है, बल्कि उन्हें कड़कड़ाती ठंड या रात के अंधेरे में सिंचाई करने की जोखिमभरी मजबूरी से भी राहत मिली है।

किसे और कितना मिल रहा लाभ?

उद्यान विभाग की उप निदेशक आरती यादव ने बताया कि योजना के तहत किसानों को भारी सब्सिडी दी जा रही है: अनुदान: 3 केवी से 10 केवी तक के पंप सेट पर 60% तक की छूट। विशेष सहायता: अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के किसानों को 45 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता।

पात्रता: किसान के पास न्यूनतम 0.4 हेक्टेयर भूमि और जल भंडारण (फार्म पॉन्ड/हौज) होना अनिवार्य है। साथ ही, पूर्व में कोई कृषि बिजली कनेक्शन नहीं होना चाहिए।

सफलता के पीछे का संघर्ष

ब्यावर के कई क्षेत्रों में जमीन छोटी और पथरीली है। छोटे जोत वाले किसानों के लिए 0.4 हेक्टेयर की शर्त एक चुनौती थी, लेकिन विभाग ने सामूहिक आवेदन और तकनीकी मार्गदर्शन के जरिए इसे संभव बनाया। विभाग का लक्ष्य है कि आने वाले समय में शेष लक्ष्यों को भी जल्द से जल्द पूरा कर जिले को सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाए।

सब्जी की आड़ में डोडा पोस्त की तस्करी, बार पुलिस ने 479 किलो मादक पदार्थ के साथ तस्कर को दबोचा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के आदेशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा व वृताधिकारी मसूदा जय सिंह के सुपरविजन में बार थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने सब्जी की आड़ में तस्करी कर ले जाए जा रहे 479 किलो 765 ग्राम अवैध डोडा पोस्त को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बार थानाधिकारी समजिदा बानू ने बताया कि इलाके में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस टीम द्वारा विशेष नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान हाड़ौती क्षेत्र से मारवाड़ की ओर जा रही एक संदिग्ध पिकअप गाड़ी को रुकवाया गया। पुलिस को चकमा देने के लिए तस्करों ने गाड़ी में ऊपर सब्जी की थैलियां भर रखी थी।

तलाशी में खुले राज

पुलिस टीम ने जब गहराई से तलाशी ली, तो सब्जी की थैलियों के नीचे प्लास्टिक के 25 कट्टे बरामद हुए, जिनमें भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त भरा हुआ था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी राकेश बिश्नोई (23 वर्ष) पुत्र प्रेमाराम, निवासी दांतीवाड़ा (जोधपुर) को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने मादक पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी को जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है कि यह खेप कहाँ से लाई गई थी और इसकी सप्लाई कहाँ होनी थी।

टीम की महत्वपूर्ण भूमिका:

इस कार्रवाई में थानाधिकारी समजिदा बानू सहित हेड कांस्टेबल गिरधारी सिंह, कांस्टेबल राजुराम, कैलाशचंद, हरेन्द्र, रामप्रसाद, सुखदेव और बलदेव का विशेष योगदान रहा।

ब्यावर के सबसे बड़े अस्पताल की व्यवस्थाएं वेंटिलेटर पर, हिंदू हेल्पलाइन ने सीएमएचओ को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिले के सबसे बड़े राजकीय अमृत कौर चिकित्सालय की चरमराती चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर 'अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद' और 'हिंदू हेल्पलाइन' ने गहरा रोष व्यक्त किया है। हेल्पलाइन के प्रतिनिधियों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम एक ज्ञापन सौंपकर अस्पताल की बदहाली में सुधार की पुरजोर मांग की है।

विशेषज्ञों की कमी से जूझ रहे मरीज

ज्ञापन में बताया गया कि अस्पताल में वर्तमान में शिशु रोग विशेषज्ञ और गायनिक (स्त्री रोग) चिकित्सकों की भारी कमी है। स्थिति यह है कि यदि एक डॉक्टर अवकाश पर होता है, तो पूरी व्यवस्था ठप हो जाती है। संगठन ने मांग की है कि आसपास के क्षेत्रों से डॉक्टरों को प्रतिनियुक्ति पर बुलाकर मरीजों को राहत दी जाए।

कार्डियोलॉजिस्ट नहीं होने से बढ़ रहा रेफरल का बोझ

अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट) न होने के कारण गंभीर मरीजों को मजबूरन अजमेर या जयपुर रेफर करना पड़ रहा है। इससे न केवल मरीजों का पैसा बर्बाद हो रहा है, बल्कि समय पर इलाज न मिलने से जान का जोखिम भी बना रहता है। कार्यकर्ताओं ने जल्द से जल्द स्थायी कार्डियोलॉजिस्ट की नियुक्ति की मांग की है।

एमसीएच विंग और ट्रामा सेंटर की अव्यवस्थाएं

हिंदू हेल्पलाइन के सदस्यों ने आरोप लगाया कि एमसीएच विंग में 24 घंटे डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं है। साथ ही, पर्ची कटवाने के लिए तीमारदारों को एक विंग से दूसरी विंग तक भागना पड़ता है। ज्ञापन में मांग की गई है कि: एमसीएच विंग में ही पंजीकरण की सुविधा दी जाए। अस्पताल के द्वारों पर 24 घंटे स्ट्रेचर और व्हीलचेयर मय कर्मचारी उपलब्ध हों। मदद के लिए कर्मचारियों के नाम और नंबर सूचना पट्ट पर चस्पा किए जाएं।

ओपीडी से गायब रहते हैं डॉक्टर

संगठन ने यह भी मुद्दा उठाया कि कई चिकित्सक निर्धारित ह्वक्कष्ठ समय के दौरान अपनी सीट पर अनुपस्थित रहते हैं, जिससे दूर-दराज से आए मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन जनहित की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आम जनता के सहयोग से उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ये रहे उपस्थित:

इस दौरान मुकेश सोम्दी, सुनील पालडेचा, मनीष व्यास, कमलेश रावत, अनिल गुप्ता, सुनील दुबे सहित संगठन के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्यावर में उमड़ा 'सोमनाथ स्वाभिमान' का उत्साह: नीलकंठ महादेव मंदिर में गूँजे हर-हर महादेव के जयकारे

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान सरकार के कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के निर्देशानुसार, आज ब्यावर जिला 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के रंग में रंगा नजर आया। सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के गौरवशाली पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर जिले भर में विविध सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही।

मुख्य समारोह और पीएम का लाइव संबोधन

उत्सव का मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम शहर के प्राचीन नीलकंठ महादेव मंदिर में आयोजित किया गया। यहाँ बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालुओं और नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमनाथ से दिए गए विशेष संबोधन का लाइव प्रसारण देखा। प्रधानमंत्री के संदेश ने उपस्थित जनसमूह में राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक गौरव का संचार किया।

विधायक रावत ने किया जलाभिषेक

कार्यक्रम के दौरान ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने अपनी धर्मपत्नी के साथ भगवान नीलकंठ महादेव का विधिवत पूजन और जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा: 'सोमनाथ मंदिर केवल एक देवालय नहीं, बल्कि भारत की अटूट आस्था और अजेय आत्मगौरव का प्रतीक है। बार-बार के आक्रमणों के बाद भी इस मंदिर का पुनरुद्धार हमारी आध्यात्मिक शक्ति और सनातन संस्कृति की अमरता को दर्शाता है।'

नई पीढ़ी को बताया गौरवशाली इतिहास

जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने जानकारी दी कि इस पर्व के माध्यम से भावी पीढ़ी को अपने इतिहास से जोड़ने का प्रयास किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित एनिमेटेड फिल्म दिखाई गई और विद्वानों द्वारा व्याख्यान आयोजित किए गए।

इस भव्य आयोजन में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्म लाल जाट, विकास अधिकारी बलराम मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। पूरे जिले में इस पर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया, जिससे वातावरण पूरी तरह शिवमय और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया।

'सवाल पूछना ही विज्ञान की शुरुआत'

मानपुरा में मनाया गया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। मसुदा के मानपुरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानपुरा में सोमवार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (भारत सरकार) के 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) अजमेर कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में नवाचार, तार्किक सोच और वैज्ञानिक समझ को विकसित करना रहा।

तकनीक और नवाचार पर जोर

कार्यक्रम का आयोजन पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक लेखराज सिंह रावत के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य मधुलीला सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञ नीरज जरोटिया ने पीपीटी और वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे तकनीक हमारे दैनिक जीवन और राष्ट्र की प्रगति में बदलाव ला रही है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

युवाओं की तार्किक क्षमता को परखने के लिए एक प्रौद्योगिकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें लगभग 70 युवाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे: प्रदीप सिंह रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रमेश सिंह रावत दूसरे स्थान पर रहे। कल्पना और कुलदीप ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया।

आत्मनिर्भरता का मंत्र

जिला युवा अधिकारी जयेश मीना ने संदेश साझा करते हुए कहा कि जब कोई राष्ट्र विज्ञान और तकनीक में निवेश करता है, तभी वह सही मायने में आत्मनिर्भर बनता है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे 'सवाल पूछने' की अपनी प्रवृत्ति को जीवित रखें, क्योंकि यही विज्ञान की नींव है।

इस सफल आयोजन ने न केवल युवाओं को तकनीक से जोड़ा, बल्कि उन्हें देश के भविष्य में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव को कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असर्मथता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे।

इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

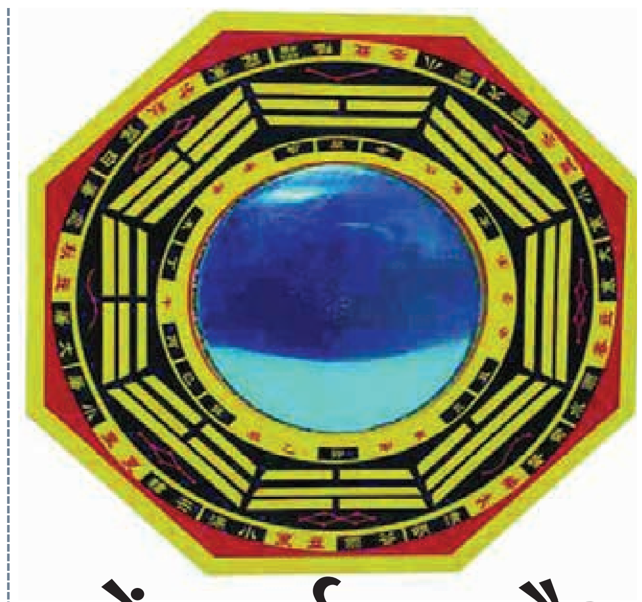

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

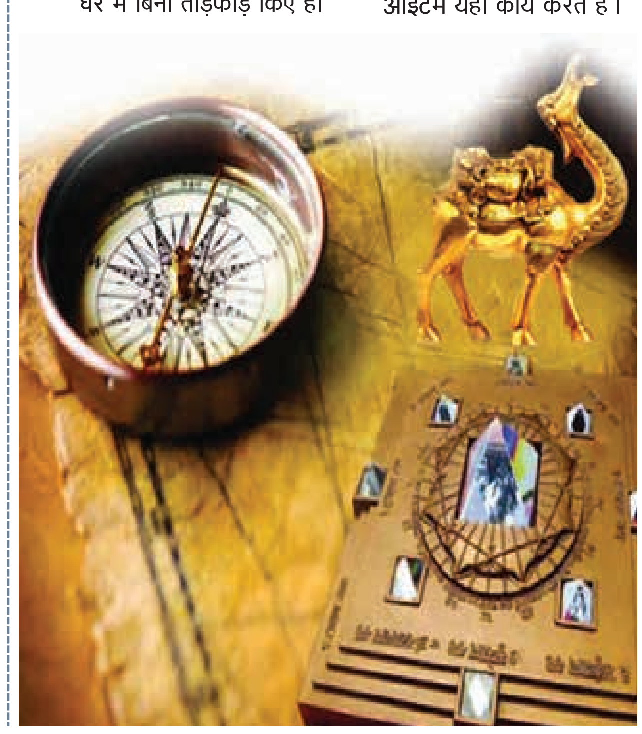

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com